

Test Series Question Paper-10-02-2024

Q 1. भारत का संविधान निम्नलिखित में से किस निकाय में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान करता है?

1. पंचायतें
2. लोकसभा
3. राज्य सभा
4. विधान सभाएँ
5. विधान परिषदें

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 1, 2 और 4
- (c) केवल 2, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- अनुच्छेद 330 और 332 क्रमशः संसद और राज्य विधानसभाओं में एससी और एसटी के लिए सीटों के आरक्षण के माध्यम से विशिष्ट प्रतिनिधित्व प्रदान करते हैं।
- अनुच्छेद 243D प्रत्येक पंचायत में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए सीटों का आरक्षण प्रदान करता है।
- उच्च सदन या राज्यसभा में एससी/एसटी के लिए आरक्षण की कोई अवधारणा नहीं है।
- इसी प्रकार, विधान परिषदों में एससी/एसटी के लिए सीटों के आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। अतः विकल्प (b) सही है।

Q 2. राज्य विधानमंडल में पारित धन विधेयक के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे केवल मंत्री द्वारा ही पेश किया जा सकता है, किसी निजी सदस्य द्वारा नहीं।
2. इसे केवल राज्यपाल की सिफारिश पर ही पेश किया जा सकता है।
3. इसे केवल विधान सभा में ही पेश किया जा सकता है, विधान परिषद में नहीं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: राज्य विधानमंडल में धन विधेयक केवल एक मंत्री द्वारा पेश किया जा सकता है, किसी निजी सदस्य द्वारा नहीं।
- कथन 2 सही है: धन विधेयक केवल राज्यपाल की सिफारिश पर पेश किया जा सकता है।
- कथन 3 सही है: धन विधेयक केवल विधान सभा में पेश किया जा सकता है, विधान परिषद में नहीं।
- धन विधेयक की अन्य विशेषताएं हैं:
- विधान परिषद इसे अस्वीकार या संशोधित नहीं कर सकती। इसे 14 दिनों के भीतर विधानसभा को लौटाया जाना चाहिए, चाहे संशोधित हो या नहीं।
- विधान सभा विधान परिषद की सभी या कुछ सिफारिशों को स्वीकृत या अस्वीकार कर सकती है।
- संविधान दोनों सदनों के बीच किसी भी गतिरोध को हल करने के लिए कोई प्रावधान नहीं करता है।

Q 3. भारत का संविधान उनके बीच गतिरोध को हल करने के लिए संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की व्यवस्था प्रदान करता है। निम्नलिखित में से किस मामले में यह सुविधा उपलब्ध है?

1. साधारण विधेयक
2. संविधान संशोधन विधेयक
3. धन विधेयक
4. वित्त विधेयक

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1 और 4
- (b) केवल 1, 2 और 4
- (c) केवल 2 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- अनुच्छेद 108 के अनुसार, संसद की संयुक्त बैठक भारत के राष्ट्रपति द्वारा आहूत की जाती है और इसकी अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष द्वारा की जाती है।
- संवैधानिक संशोधन विधेयकों और धन विधेयकों के मामले में गतिरोध को हल करने के लिए संयुक्त बैठक की प्रावधान नहीं है। यह केवल साधारण विधेयकों के सम्बन्ध में ही प्रावधान है।
- वित्त विधेयक में संयुक्त बैठक होती है।
- “वित्त विधेयक” को एक ऐसे विधेयक के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसे सामान्य रूप से आगामी वित्तीय वर्ष के लिए भारत सरकार के वित्तीय प्रस्तावों को प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक वर्ष पेश किया जाता है। वित्त विधेयक भारत के संविधान के अनुच्छेद 117 (1) और (3) के अंतर्गत आता है। अतः विकल्प (a) सही है।

Q 4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राष्ट्रपति की विवेकाधीन शक्तियाँ राज्यपाल की तुलना में व्यापक हैं।
2. राज्यपाल मृत्युदंड को कम, परिवर्तित या निलंबित नहीं कर सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

सही उत्तर (d)

- राष्ट्रपति बनाम राज्यपाल पसंदीदा क्षेत्रों में से एक है जिसमें यूपीएससी उम्मीदवारों को उनकी शक्तियों में समानता और अंतर के कारण फंसाने की कोशिश करता है जो भ्रमित करने वाला हो सकता है। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे इन क्षेत्रों का बहुत ध्यानपूर्वक अध्ययन करें।

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है।** राष्ट्रपति की क्षमादान शक्तियाँ राज्यपाल से अधिक व्यापक हैं, लेकिन राज्यपाल की विवेकाधीन शक्तियाँ राष्ट्रपति से अधिक व्यापक हैं।
- **कथन 2 गलत है।** राज्यपाल मृत्युदंड को माफ कर सकता है, कम कर सकता है या निलंबित कर सकता है। 04 अगस्त, 2021 को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी राज्य का राज्यपाल न्यूनतम 14 साल की जेल की सजा काटने से पहले ही मौत की सजा पाने वाले कैदियों सहित कैदियों को माफ कर सकता है।
- अनुपूरक नोट्स:
- राष्ट्रपति एवं राज्यपाल की शक्तियाँ
- अनुच्छेद 72 के तहत राष्ट्रपति की क्षमा शक्ति का दायरा अनुच्छेद 161 के तहत राज्यपाल की क्षमा शक्ति से अधिक व्यापक है। शक्ति निम्नलिखित दो तरीकों से भिन्न है:
- राष्ट्रपति की क्षमादान देने की शक्ति उन मामलों में विस्तारित होती है जहां दंड या सजा कोर्ट मार्शल द्वारा होती है लेकिन अनुच्छेद 161 राज्यपाल को ऐसी कोई शक्ति प्रदान नहीं करता है।
- राष्ट्रपति उन सभी मामलों में क्षमादान दे सकता है जहां दी गई सजा मौत की सजा है लेकिन राज्यपाल की क्षमादान शक्ति मौत की सजा के मामलों तक विस्तारित नहीं होती है।
- राष्ट्रपति के पास कोई संवैधानिक विवेकाधिकार नहीं है, जबकि राज्यपाल के पास निम्नलिखित मामलों में यह अधिकार होता है:
- जब उन्हें भारत के राष्ट्रपति के विचार के लिए विधेयक को आरक्षित करना होता है
- जब उसे राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करनी हो
- जब उसे केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक के रूप में अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है
- जब वह प्रशासनिक एवं विधायी मामलों के संबंध में जानकारी लेने के लिए मुख्यमंत्री को बुलाता है
- परिस्थितिजन्य विवेक की शक्तियों की तुलना
- राष्ट्रपति को निम्नलिखित में से अपनी बात कहने का अधिकार है:

- किसी भी पार्टी के पास स्पष्ट बहुमत न होने पर प्रधानमंत्री की नियुक्ति/प्रधानमंत्री की कार्यालय में और बिना उत्तराधिकारी के मृत्यु हो जाती है।
- सदन में विश्वास साबित करने में विफल रहने पर सीओएम को बर्खास्त करना।
- यदि सीओएम ने बहुमत खो दिया तो लोकसभा का विघटन।
- राज्यों के राज्यपाल निम्नलिखित मामलों में अपने परिस्थितिजन्य विवेक से कार्य कर सकते हैं:
- जब चुनाव में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के बाद या पदधारी की कार्यालय में मृत्यु हो जाने पर उसे मुख्यमंत्री नियुक्त करना होता है।
- जब वह राज्य विधान सभा में विश्वास साबित करने में असमर्थता पर मंत्रिपरिषद को बर्खास्त कर देता है।
- जब वह बहुमत खो देने पर राज्य विधान सभा को समय पर भंग कर देता है।

Q 5. संसद में विभाग से संबंधित स्थायी समितियों (DRSCs) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. विभाग से संबंधित स्थायी समितियों के सदस्यों का चुनाव अलग-अलग सदनों द्वारा सांसदों में से किया जाता है।
2. वित्तीय समितियों के विपरीत, कोई मंत्री विभाग से संबंधित स्थायी समितियों का सदस्य बन सकता है।
3. विभाग से संबंधित स्थायी समितियों का गठन औपचारिक रूप से केवल वर्ष 1993 में ही किया गया था।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

सही उत्तर (a)

- उम्मीदवारों को विभिन्न संसदीय समितियों, उनकी भूमिकाओं-नियमों-अनुष्ठानों का कार्यसाधक ज्ञान होना चाहिए क्योंकि यूपीएससी में संबंधित प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति होती है। अंतर्निहित विषय पिछले वर्ष के प्रश्नों का भी हिस्सा रहा है, जो उनका गहन विश्लेषण करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

व्याख्या:

• **कथन 1 गलत है।** डीआरएससी के सदस्यों को सांसदों के व्यक्तिगत सदनों द्वारा नामित किया जाता है।

• **कथन 2 गलत है।** कोई मंत्री डीआरएससी का सदस्य नहीं बन सकता।

• **कथन 3 सही है।** विभागीय रूप से संबंधित स्थायी समितियों का औपचारिक गठन अप्रैल, 1993 से किया गया।

अनुपूरक नोट्स:

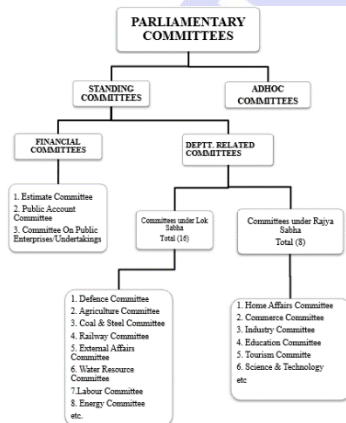
विभागीय संसदीय समितियाँ

• 24 विभाग-संबंधित स्थायी समितियाँ (DRSCs) हैं। इनमें से प्रत्येक समिति में 31 सदस्य हैं - 21 लोकसभा से और 10 राज्यसभा से

• इन सदस्यों को क्रमशः लोकसभा अध्यक्ष या राज्यसभा के सभापति द्वारा नामित किया जाना है। इन समितियों का कार्यकाल एक वर्ष से अधिक नहीं होता है।

• कोई मंत्री किसी भी स्थायी समिति के सदस्य के रूप में नामांकित होने के लिए पात्र नहीं है।

• इन समितियों को या तो लोकसभा सचिवालय या राज्यसभा सचिवालय द्वारा सेवा प्रदान की जाती है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उस समिति का अध्यक्ष किसने नियुक्त किया है।



Q 6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. प्रश्नकाल संसद का पहला घंटा होता है, जहाँ केवल मंत्रियों से ही प्रश्न पूछे जाते हैं।
2. कोविड महामारी के दौरान पहली बार प्रश्नकाल रद्द किया गया।
3. शून्यकाल एक भारतीय संसदीय नवाचार है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

सही उत्तर (a)

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे विभिन्न संसदीय उपकरणों और प्रक्रियाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी रखें क्योंकि यूपीएससी इन क्षेत्रों के आधार पर आम तौर पर कठिन प्रश्नों का प्रयास कर सकता है।

व्याख्या:

•**कथन 1 गलत है।** प्रश्नकाल संसद का पहला घंटा होता है, जहां किसी भी सांसद से सवाल पूछे जा सकते हैं।

•**कथन 2 गलत है।** 1962 में चीनी आक्रमण के दौरान पहली बार प्रश्नकाल रद्द किया गया था।

•**कथन 3 सही है।** शून्यकाल एक भारतीय संसदीय नवाचार है।

प्रश्नों की कलर-कोडिंग

•तारांकित- हरा

•अतारांकित- सफ़ेद

•संक्षिप्त सूचना- हल्का गुलाबी

•निजी सदस्यों द्वारा- पीला

अनुपूरक नोट्स:

प्रश्नकाल

•प्रत्येक संसदीय बैठक का पहला घंटा प्रश्नकाल के लिए निर्धारित किया जाता है। हालाँकि, 2014 में राज्यसभा में प्रश्नकाल को सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक कर दिया गया था।

•इस एक घंटे के दौरान संसद सदस्य (सांसद) मंत्रियों से सवाल पूछते हैं और उन्हें अपने मंत्रालयों के कामकाज के लिए जवाबदेह ठहराते हैं।

•प्रश्न निजी सदस्यों (सांसद जो मंत्री नहीं हैं) से भी पूछे जा सकते हैं।

•यह संसदीय नियमों के अनुसार विनियमित है। दोनों सदनों (राज्यसभा और लोकसभा) के पीठासीन अधिकारी प्रश्नकाल के संचालन के संबंध में अंतिम प्राधिकारी हैं।

•तीन प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं।

तारांकित प्रश्न (तारांकन द्वारा पहचाना गया) - इसके लिए मौखिक उत्तर की आवश्यकता होती है और इसलिए पूरक प्रश्न आ सकते हैं।

अतारांकित प्रश्न- इसके लिए लिखित उत्तर की आवश्यकता होती है और इसलिए, पूरक प्रश्न नहीं पूछे जा सकते।

अल्प सूचना प्रश्न वह है जो दस दिन से कम समय का नोटिस देकर पूछा जाता है। इसका उत्तर मौखिक रूप से दिया जाता है।

•दोनों सदनों में प्रश्नकाल सत्र के सभी दिनों में आयोजित किया जाता है। लेकिन दो दिन ऐसे होते हैं जब अपवाद बनाया जाता है।

जब राष्ट्रपति नई लोकसभा की शुरुआत में और नए संसद वर्ष के पहले दिन दोनों सदनों के सांसदों को संबोधित करते हैं।

जिस दिन वित्त मंत्री बजट पेश करते हैं।

शून्यकाल

•शून्यकाल एक भारतीय संसदीय नवाचार है जिसका उल्लेख संसदीय प्रक्रिया नियमों में नहीं किया गया है।

•इसके तहत सांसद बिना किसी पूर्व सूचना के मामले उठा सकते हैं।

• शून्यकाल प्रश्नकाल के तुरंत बाद शुरू होता है और दिन का एजेंडा (यानी, सदन का नियमित कामकाज) शुरू होने तक चलता है। दूसरे शब्दों में, प्रश्नकाल और कार्यसूची के बीच के समय के अंतराल को शून्यकाल कहा जाता है।

• संसदीय रिकॉर्ड बताते हैं कि 1962 में चीनी आक्रमण के दौरान शीतकालीन सत्र को आगे बढ़ाया गया था। सदन की बैठक दोपहर 12 बजे शुरू हुई और कोई प्रश्नकाल नहीं हुआ।

Q 7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. उच्चतम न्यायालय के विशिष्ट मूल क्षेत्राधिकार में एक पूर्व-संवैधानिक संधि से उत्पन्न होने वाले विवाद शामिल हैं।
2. उच्चतम न्यायालय के सलाहकार क्षेत्राधिकार में कहा गया है कि राष्ट्रपति सार्वजनिक महत्व के किसी भी कानून में उच्चतम न्यायालय की राय ले सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं ?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

सही उत्तर (a)

सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र, कार्य और उसके आधिकारिक अधिदेश के अन्य पहलू स्थिर राजनीति पाठ्यक्रम के महत्वपूर्ण पहलू हैं, जिनके बारे में उम्मीदवारों से अच्छी जानकारी रखने की अपेक्षा की जाती है।

व्याख्या:

• **कथन 1 गलत है।** अनुच्छेद 131 में कहा गया है कि हमारे संविधान के प्रारंभ होने से पहले अस्तित्व में आई किसी भी संधि, समझौते, अनुबंध, सगाई, सनद या किसी अन्य समान साधन से उत्पन्न विवादों में सर्वोच्च न्यायालय के पास किसी भी प्रकार का क्षेत्राधिकार नहीं होगा।

• **कथन 2 सही है।** सर्वोच्च न्यायालय के सलाहकार क्षेत्राधिकार में कहा गया है कि राष्ट्रपति सार्वजनिक महत्व के किसी भी कानून में सर्वोच्च न्यायालय की राय ले सकते हैं।

अनुच्छेद संख्या	विवरण
129	सुप्रीम कोर्ट को रिकॉर्ड अदालत + अदालत की अवमानना माना जाएगा
131	मूल न्यायाधिकार
132	अपील न्यायिक क्षेत्र
136	SC में अपील करने की विशेष अनुमति
142	पूर्ण न्याय
143	SC का सलाहकार क्षेत्राधिकार (राष्ट्रपति को सलाह)

• एक संघीय अदालत के रूप में, सर्वोच्च न्यायालय भारतीय संघ की विभिन्न इकाइयों के बीच विवादों का फैसला करता है। अधिक विस्तृत रूप से, इनके बीच कोई विवाद:

केंद्र और एक या अधिक राज्य; या

केंद्र और कोई भी राज्य या राज्य एक तरफ और एक या अधिक राज्य दूसरी तरफ; या

दो या दो से अधिक राज्य।

• उपर्युक्त संघीय विवादों में, सर्वोच्च न्यायालय के पास विशेष मूल क्षेत्राधिकार है।

• इसके अलावा, सर्वोच्च न्यायालय का यह क्षेत्राधिकार निम्नलिखित तक विस्तारित नहीं है:

किसी संविधान-पूर्व संधि, समझौते, प्रसंविदा, अनुबंध, सनद या अन्य समान दस्तावेज़ से उत्पन्न विवाद।

किसी संधि, समझौते आदि से उत्पन्न होने वाला विवाद, जो विशेष रूप से यह प्रावधान करता है कि उक्त क्षेत्राधिकार ऐसे विवाद तक विस्तारित नहीं है।

अंतरराज्यीय जल विवाद।

वित्त आयोग को संदर्भित मामले।

केंद्र और राज्यों के बीच कुछ खर्चों और पेंशन का समायोजन।

केंद्र और राज्यों के बीच वाणिज्यिक प्रकृति का सामान्य विवाद।

किसी राज्य द्वारा केंद्र के विरुद्ध क्षति की वसूली।

उच्चतम न्यायालय का रिट क्षेत्राधिकार

• सुप्रीम कोर्ट को किसी पीड़ित नागरिक के मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, निषेध, अधिकार-पृच्छा और उत्प्रेषण सहित रिट जारी करने का अधिकार है।

• इस संबंध में, सर्वोच्च न्यायालय के पास इस अर्थ में मूल क्षेत्राधिकार है कि एक पीड़ित नागरिक सीधे सर्वोच्च न्यायालय में जा सकता है, जरूरी नहीं कि अपील के माध्यम से।

• हालाँकि, सर्वोच्च न्यायालय का रिट क्षेत्राधिकार विशिष्ट नहीं है। उच्च न्यायालयों को मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए रिट जारी करने का भी अधिकार है।

उच्चतम न्यायालय का अपीलीय क्षेत्राधिकार

• सर्वोच्च न्यायालय मुख्य रूप से अपील की अदालत है और निचली अदालतों के फैसलों के खिलाफ अपील सुनता है। इसे व्यापक अपीलीय क्षेत्राधिकार प्राप्त है जिसे चार शीर्षकों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है:

संवैधानिक मामलों में अपील

सिविल मामलों में अपील

आपराधिक मामलों में अपील

विशेष अनुमति द्वारा अपील

सर्वोच्च न्यायालय का सलाहकार क्षेत्राधिकार

• अनुच्छेद 143 के तहत संविधान राष्ट्रपति को दो श्रेणियों के मामलों में सर्वोच्च न्यायालय की राय लेने के लिए अधिकृत करता है:

कानून या सार्वजनिक महत्व के तथ्य के किसी भी प्रश्न पर जो उत्पन्न हुआ हो या जिसके उत्पन्न होने की संभावना हो।

किसी भी संविधान-पूर्व संधि, समझौते, प्रसंविदा, सगाई, सनद या अन्य समान दस्तावेजों से उत्पन्न होने वाले किसी भी विवाद पर।

अभिलेख न्यायालय के रूप में सर्वोच्च न्यायालय

• अभिलेख न्यायालय के रूप में, सर्वोच्च न्यायालय के पास दो शक्तियाँ हैं:

सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय, कार्यवाही और कार्य शाश्वत स्मृति और गवाही के लिए दर्ज किए जाते हैं। इन अभिलेखों को साक्ष्य के तौर पर मूल्यवान माना जाता है और किसी भी अदालत के समक्ष पेश किए जाने पर इन पर सवाल नहीं उठाए जा सकते।

इन्हें कानूनी मिसालों और कानूनी संदर्भों के रूप में मान्यता दी जाती है।

• इसमें अदालत की अवमानना के लिए दंडित करने की शक्ति है, या तो छह महीने तक की अवधि के लिए साधारण कारावास या 2,000 तक का जुर्माना या दोनों के साथ।

न्यायिक समीक्षा की शक्ति

• न्यायिक समीक्षा केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के विधायी अधिनियमों और कार्यकारी आदेशों की संवैधानिकता की जांच करने की सर्वोच्च न्यायालय की शक्ति है।

• जांच करने पर, यदि वे संविधान का उल्लंघन (अल्ट्रा-वायर्स) पाए जाते हैं, तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा अवैध, असंवैधानिक और अमान्य (शून्य और शून्य) घोषित किया जा सकता है। परिणामस्वरूप, उन्हें सरकार द्वारा लागू नहीं किया जा सकता है।

Q8. लोकसभा अध्यक्ष के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत के राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा अध्यक्ष को पद की शपथ दिलायी जाती है।
2. अध्यक्ष कार्य सलाहकार समिति और नियम समिति का अध्यक्ष होता है।
3. अध्यक्ष सदन के सदस्यों के विशेषाधिकारों का संरक्षक होता है।
4. अध्यक्ष का वेतन भारत की संचित निधि पर भारित होता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

सही उत्तर (सी)

अध्यक्ष की संवैधानिक भूमिका, जो एक प्रमुख स्थिर विषय है, की अच्छी समझ रखने वाले उम्मीदवारों से इस प्रश्न को बिना किसी कठिनाई के हल करने की अपेक्षा की जाती है। अंतर्निहित विषय पिछले वर्ष के प्रश्नों (जैसे 2012) का भी हिस्सा रहा है, जो उनका गहन विश्लेषण करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 ग़लत है।** लोकसभा अध्यक्ष को पद की कोई शपथ नहीं दिलाई जाती।
- **कथन 2 सही है।** स्पीकर कार्य सलाहकार समिति और नियम समिति का अध्यक्ष होता है।
- **कथन 3 सही है।** स्पीकर सदन के सदस्यों के विशेषाधिकारों का संरक्षक होता है।
- **कथन 4 सही है।** स्पीकर का वेतन भारत की संचित निधि पर भारित होता है।

अनुपूरक नोट्स:

भारत में अध्यक्ष का कार्यालय

- यह एक जीवंत और गतिशील संस्था है जो अपने कार्यों के निष्पादन में संसद की वास्तविक जरूरतों और समस्याओं से निपटती है।
- संविधान का अनुच्छेद 93 अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों के चुनाव का प्रावधान करता है।
- अध्यक्ष सदन का संवैधानिक और औपचारिक प्रमुख होता है।
- इतिहास

भारत सरकार अधिनियम 1919 (मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार) के प्रावधानों के तहत 1921 में भारत में स्पीकर और डिप्टी स्पीकर की संस्थाओं की शुरुआत हुई।

1935 के भारत सरकार अधिनियम ने राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति के नामकरण को क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष में बदल दिया।

- अध्यक्ष पद का चुनाव

भारत के संविधान के अनुसार अध्यक्ष को सदन का सदस्य होना आवश्यक है।

आमतौर पर, सत्तारूढ़ दल से संबंधित सदस्य को अध्यक्ष चुना जाता है। यह प्रक्रिया पिछले कुछ वर्षों में विकसित हुई है जहां सत्तारूढ़ दल सदन में अन्य दलों और समूहों के नेताओं के साथ अनौपचारिक परामर्श के बाद अपने उम्मीदवार को नामांकित करता है।

यह सम्मेलन यह सुनिश्चित करता है कि एक बार निर्वाचित होने के बाद, अध्यक्ष को सदन के सभी वर्गों का सम्मान प्राप्त हो।

अध्यक्ष (उपाध्यक्ष के साथ) का चुनाव सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत द्वारा लोकसभा सदस्यों में से किया जाता है।

- अध्यक्ष के कार्यालय का कार्यकाल

अध्यक्ष अपने चुनाव की तारीख से अगली लोकसभा की पहली बैठक के ठीक पहले तक (5 वर्षों के लिए) पद पर बना रहता है।

एक बार निर्वाचित स्पीकर पुनः चुनाव के लिए पात्र होता है।

जब भी लोकसभा भंग होती है, अध्यक्ष अपना पद खाली नहीं करता है और नवनिर्वाचित लोकसभा की बैठक होने तक पद पर बना रहता है।

अध्यक्ष की भूमिका और शक्तियाँ

वह भारत के संविधान के प्रावधानों, लोकसभा की प्रक्रिया और संचालन के नियमों और सदन के भीतर संसदीय मिसालों का अंतिम व्याख्याता है।

इन प्रावधानों की व्याख्या से संबंधित मामलों में, वह अक्सर ऐसे फैसले देते हैं जिनका सदस्यों द्वारा सम्मान किया जाता है और जो प्रकृति में बाध्यकारी होते हैं।

वह संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करता है।

वह सदन की कुल ताकत (कोरम कहा जाता है) के दसवें हिस्से की अनुपस्थिति में सदन को स्थगित कर सकता है या बैठक को निलंबित कर सकता है।

स्पीकर पहली बार में वोट नहीं करता है लेकिन बराबरी की स्थिति में वोट देता है; जब सदन किसी प्रश्न पर समान रूप से विभाजित होता है, तो अध्यक्ष को निर्णायक मत दर्ज करने का अधिकार होता है।

वह निर्णय लेता है कि कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं और इस प्रश्न पर उसका निर्णय अंतिम होता है।

यह अध्यक्ष ही है जो दसवीं अनुसूची के प्रावधानों के तहत दलबदल के आधार पर उत्पन्न होने वाले लोकसभा सदस्य की अयोग्यता के प्रश्नों का निर्णय करता है। भारतीय संविधान का 52वां संशोधन यह शक्ति अध्यक्ष को प्रदान करता है।

वह भारतीय संसदीय समूह (आईपीजी) के पदेन अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है जो भारत की संसद और दुनिया की विभिन्न संसदों के बीच एक कड़ी है।

वह देश में विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के पदेन अध्यक्ष के रूप में भी कार्य करता है।

सदन की समितियाँ अध्यक्ष द्वारा गठित की जाती हैं और अध्यक्ष के समग्र निर्देशन में कार्य करती हैं।

सभी संसदीय समितियों के अध्यक्ष उसके द्वारा मनोनीत किये जाते हैं।

व्यवसाय सलाहकार समिति, सामान्य प्रयोजन समिति और नियम समिति जैसी समितियाँ सीधे उनकी अध्यक्षता में काम करती हैं।

अध्यक्ष सदन, उसकी समितियों और सदस्यों के अधिकारों और विशेषाधिकारों का संरक्षक होता है। यह पूरी तरह से अध्यक्ष पर निर्भर करता है कि वह विशेषाधिकार के किसी भी प्रश्न को जांच, जांच और रिपोर्ट के लिए विशेषाधिकार समिति को संदर्भित करे।

• आमतौर पर, अध्यक्ष लोकसभा के जीवनकाल के दौरान पद पर बना रहता है। हालाँकि, निम्नलिखित शर्तों के तहत, स्पीकर को पहले कार्यालय खाली करना पड़ सकता है:

यदि वह लोकसभा का सदस्य नहीं रह जाता है।

यदि वह उपसभापति को पत्र लिखकर इस्तीफा देता है

यदि उसे लोकसभा के सभी सदस्यों के बहुमत से पारित प्रस्ताव द्वारा हटाया जाता है।

ऐसा प्रस्ताव केवल 14 दिन की अग्रिम सूचना देने के बाद ही लाया जा सकता है।

जब अध्यक्ष को हटाने का प्रस्ताव सदन में विचाराधीन हो, तो वह बैठक में उपस्थित हो सकता है, लेकिन अध्यक्षता नहीं कर सकता/सकती है।

Q 9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I:

44वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा के लिए राष्ट्रपति हेतु कैबिनेट की सलाह मानना 'निर्विवादित तथ्य' बना दिया गया है।

कथन II:

राष्ट्रीय आपात स्थितियों के संबंध में कार्यकारी निर्णय लेने में अधिक विधायी जवाबदेही लाने हेतु अनुच्छेद 356 के तहत आपातकालीन प्रक्रियाओं को तर्कसंगत बनाने की आवश्यकता थी।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा एक सही है?

- (a) कथन I और II दोनों सही हैं और कथन II कथन I की सही व्याख्या है।
- (b) कथन I और II दोनों सही हैं और कथन II कथन I की सही व्याख्या नहीं है।
- (c) कथन I सही है और कथन II गलत है।
- (d) कथन I गलत है और कथन II सही है।

सही उत्तर (सी)

चाल इस बात की तथ्यात्मक प्रस्तुति में निहित है कि कौन सा अनुच्छेद राष्ट्रीय आपातकालीन प्रावधानों को नियंत्रित करता है, जो कि गलत है, हालांकि बाद वाला बयान पहले वाले को प्रमाणित करने में सक्षम है। अंतर्निहित विषय पिछले वर्ष के प्रश्नों (उदाहरण 20) का भी हिस्सा रहा है, जो उनका गहन विश्लेषण करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। इसके अतिरिक्त, इस तरह से तैयार किए गए प्रश्नों के लिए, हमें यह करना चाहिए-

पहले सत्यापित करें कि क्या दोनों कथन अलग-अलग सत्य/असत्य हैं।

इसके बाद यह जांच करने की कोशिश की जाएगी कि क्या दोनों के बीच किसी तरह का कोई संबंध है स्पष्टीकरण:

44वें संविधान संशोधन अधिनियम ने कैबिनेट को राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा के लिए राष्ट्रपति के लिए 'आज्ञाकारी' बना दिया। ऐसा इसलिए था क्योंकि राष्ट्रीय आपात स्थितियों के संबंध में कार्यकारी निर्णय लेने में अधिक विधायी जवाबदेही लाने के लिए अनुच्छेद 352 के तहत आपातकालीन प्रक्रियाओं को तर्कसंगत बनाने की आवश्यकता थी। इसलिए, विकल्प (सी) सही विकल्प है।

अनुपूरक नोट्स:

44वें संशोधन द्वारा संविधान के प्रावधानों में किये गए बदलाव -

संविधान की मूल संरचना में कोई भी बदलाव केवल तभी किया जा सकता है जब उन्हें भारत के लोगों द्वारा जनमत संग्रह में बहुमत से अनुमोदित किया जाता है जिसमें कम से कम इक्यावन प्रतिशत मतदाताओं ने भाग लिया था। इसे सुनिश्चित करने के लिए अनुच्छेद 368 में संशोधन किया गया।

1978 के 44वें संशोधन अधिनियम ने 42वें संशोधन अधिनियम द्वारा किए गए प्रावधान को उलट दिया, जिसने सरकार को अनुच्छेद 368 द्वारा अपनी इच्छानुसार संविधान में संशोधन करने की अनुमति दी थी। 44वें संशोधन अधिनियम ने सरकार की इस अनुचित शक्ति को समाप्त कर दिया।

• संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों (अनुच्छेद 31) की सूची से हटा दिया गया और इसे अनुच्छेद 300A के तहत कानूनी अधिकार बना दिया गया।

आपातकाल की उद्घोषणा

राष्ट्रीय आपातकाल (अनुच्छेद 352) केवल तभी जारी किया जा सकता है जब भारत या उसके क्षेत्र के किसी हिस्से की सुरक्षा को युद्ध या बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह से खतरा हो।

सशस्त्र विद्रोह की श्रेणी में न आने वाली आंतरिक अशांति उद्घोषणा जारी करने का आधार नहीं होगी।

आपातकाल की घोषणा केवल मंत्रिमंडल द्वारा राष्ट्रपति को दी गई लिखित सलाह के आधार पर ही की जा सकती है।

राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा अब न्यायिक समीक्षा से प्रतिरक्षित नहीं रही।

6 मौलिक अधिकार केवल युद्ध/बाह्य आक्रमण के दौरान छीने जायेंगे।

अनुच्छेद 20,21 आपातकाल के दौरान भी लागू रहेंगे।

भारत के चुनाव आयोग से प्रमाणीकरण की आवश्यकता के लिए राष्ट्रपति शासन (अनुच्छेद 356) को 1 वर्ष से अधिक बढ़ाना/राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान होता है।

अनुच्छेद 356 को लागू करने के लिए राष्ट्रपति की संतुष्टि न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर नहीं है।

स्वतंत्रता के अधिकार को इस प्रावधान से और भी मजबूती मिलती है कि निवारक हिरासत के लिए कानून, किसी भी मामले में, तीन महीने से अधिक समय तक हिरासत में रखने की अनुमति नहीं दे सकता है, जब तक कि एक सलाहकार बोर्ड ने रिपोर्ट नहीं की हो कि इस तरह की हिरासत के लिए पर्याप्त कारण है।

संसद और राज्य विधानमंडलों की कार्यवाही को स्वतंत्र रूप से और बिना सेंसरशिप के रिपोर्ट करने का मीडिया का अधिकार।

Q 10. अदालत का मित्र ('amicus curiae') शब्द से आप क्या समझते हैं?

- (a) दोषी सिद्ध होने से पूर्व निर्दोष
- (b) न्यायालय का मित्र
- (c) कोर्ट मार्शल का आदेश
- (d) निर्दोष सिद्ध होने तक दोषी

सही उत्तर (b)

यूपीएससी अक्सर न्यायिक शब्दावली पर आधारित इस खंड से कठिन प्रश्न पूछता है। अभ्यर्थियों को यथासंभव अधिक से अधिक ऐसे शब्दों से परिचित होने का प्रयास करना चाहिए, विशेष रूप से वे जो समाचारों में रहे हों।

स्पष्टीकरण:

एमिकस क्यूरी का शाब्दिक अनुवाद "अदालत का मित्र" है। वह एक व्यक्ति या संगठन है जो किसी कानूनी मामले में पक्षकार नहीं है, लेकिन जिसे मामले के मुद्दों पर असर डालने वाली विशेषज्ञता प्रदान करके अदालत की सहायता करने की अनुमति है। एमिकस ब्रीफ पर विचार करना है या नहीं, इसका निर्णय न्यायालय के विवेक पर निर्भर करता है। न्याय मित्र की आवश्यकता का सबसे आम क्षेत्र उन मामलों में है जो अपील के अधीन हैं, या जनहित याचिका के मुद्दे हैं और उन्हें नागरिक और आपराधिक दोनों मामलों में नियुक्त किया जा सकता है। इसलिए, विकल्प (बी) सही विकल्प है।

ऐसे शब्दों के कुछ उदाहरण-

शब्द	अर्थ
• एड होमिनेम	• आदमी के लिए - तर्क के बजाय किसी व्यक्ति के हितों या पूर्वाग्रहों की अपील करना
• एक्स क्यूरिया	• अदालत से बाहर
• इनफेस क्युरिए	• न्यायालय के समक्ष/उपस्थिति में
• साइन डाइ	• पुनर्संगठन के लिए कोई दिन निर्धारित किए बिना/अनिश्चित काल तक
• साइन क्युआ नॉन	• एक आवश्यक तत्व या शर्त
• बोना फ्राइड	• नेक इरादे से/ईमानदार इरादे से
• कार्पस डेलिसिटी	• किसी व्यक्ति को उस अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने से पहले यह साबित होना चाहिए कि अपराध घटित हुआ है।

Q 11. भारतीय संविधान की तीसरी अनुसूची में निम्नलिखित में से किसके लिए शपथ और प्रतिज्ञान के रूप शामिल हैं?

1. उच्च न्यायालय के न्यायाधीश
2. राज्यों के महाधिवक्ता
3. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
4. राज्य मंत्री
5. भारत के राष्ट्रपति

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1, 3 और 4
- (b) केवल 1, 3, 4 और 5
- (c) केवल 3 और 5
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारतीय संविधान की तीसरी अनुसूची में शपथ और प्रतिज्ञान के प्रकार शामिल हैं:
 - भारत के केंद्रीय मंत्री
 - संसद चुनाव के उम्मीदवार

- संसद सदस्य (सांसद)
- उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
- राज्य मंत्री
- राज्य विधानमंडल चुनाव के उम्मीदवार
- राज्य विधानमंडल के सदस्य
- उच्च न्यायालय के न्यायाधीश
- राज्यों के महान्यायाधीश और राज्यों के महाधिवक्ता को सूची में शामिल नहीं किया गया है।
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 60 राष्ट्रपति द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान निर्धारित करता है। यह तीसरी अनुसूची में शामिल नहीं है। अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

Q 12. 44वें संशोधन अधिनियम, 1978 के अनुसार, निम्नलिखित में से किस स्थिति में राष्ट्रपति शासन को प्रत्येक 6 महीने में एक वर्ष से अधिक बढ़ाया जा सकता है?

1. जब चुनाव आयोग यह प्रमाणित कर दे कि संबंधित राज्य में चुनाव नहीं कराए जा सकते हैं।
2. यदि राज्यसभा राष्ट्रपति शासन को बढ़ाने के लिए दो-तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित करती है।
3. जब पूरे भारत में या पूरे राज्य में या किसी हिस्से में पहले से ही राष्ट्रीय आपातकाल लगा हो।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

राष्ट्रपति शासन का तात्पर्य राज्य सरकार को निलंबित करने और केंद्र का प्रत्यक्ष शासन लागू करने से है। संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन की घोषणा छह महीने के लिए होती है। इस समय-सीमा को चरणों में तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है। 44वें संशोधन अधिनियम, 1978 के अनुसार, राष्ट्रपति शासन को केवल निम्नलिखित शर्तों के तहत हर 6 महीने में एक वर्ष से अधिक बढ़ाया जा सकता है:

चुनाव आयोग प्रमाणित करता है कि संबंधित राज्य में चुनाव नहीं कराए जा सकते हैं।

पूरे भारत में या पूरे राज्य में या किसी भी हिस्से में पहले से ही राष्ट्रीय आपातकाल लागू है। अतः, विकल्प (a) सही है।

Q 13. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस आयोग की स्थापना 102वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम 2018 के माध्यम से की गई थी।
2. आयोग के सदस्यों का कार्यकाल पाँच वर्ष का होता है।

3. आयोग को हर पांच साल में अपनी रिपोर्ट संसद को सौंपने का आदेश दिया गया है।
उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (d)

व्याख्या:

कथन 1 गलत है: राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) की स्थापना 1993 में मंडल मामले के फैसले के बाद एक वैधानिक निकाय के रूप में की गई थी। 2018 के 102वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने इसे संवैधानिक दर्जा प्रदान किया।

कथन 2 गलत है: आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और तीन अन्य सदस्य होते हैं। उन्हें राष्ट्रपति द्वारा उनके हस्ताक्षर और मुहर के तहत अधिपत्र द्वारा नियुक्त किया जाता है। उनकी सेवा की शर्तें और कार्यालय का कार्यकाल राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित किया जाता है।

कथन 3 गलत है: आयोग राष्ट्रपति को एक वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। राष्ट्रपति रिपोर्ट को संसद में रखते हैं।

Q 14. निम्न कथनों पर विचार कीजिए:

1. संसद किसी भी राज्य की सहमति के बिना उसकी सीमाओं में परिवर्तन नहीं कर सकती या उसका नाम नहीं बदल सकती।
2. केंद्र और राज्यों के बीच कार्यकारी शक्ति के वितरण में परिवर्तन के लिए संशोधन हेतु विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है।
3. संसद कुछ रोजगारों के लिए किसी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के भीतर निवास एक आवश्यक शर्त के रूप में निर्धारित कर सकती है।
4. उच्चतम न्यायालय के आईआर कोएल्हो (IR Coelho) मामले में संविधान की 9वीं अनुसूची को भी न्यायिक समीक्षा के अधीन कर दिया गया।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

सही उत्तर (b)

- सभी कथन स्थिर पाठ्यक्रम के प्रमुख पहलुओं को कवर करते हैं। स्थिर पाठ्यक्रम का अच्छा ज्ञान रखने वाले अभ्यर्थियों को इस प्रश्न को हल करने में समस्याओं का सामना नहीं करना चाहिए।

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 ग़लत है।** संसद उसकी सहमति के बिना किसी राज्य की सीमाओं को बदल सकती है या उसका नाम बदल सकती है।
- **कथन 2 ग़लत है।** केंद्र और राज्यों के बीच कार्यकारी शक्ति के वितरण में बदलाव के लिए संशोधनों के लिए विशेष बहुमत के साथ-साथ आधे राज्यों के अनुसमर्थन की आवश्यकता होती है।
- **कथन 3 सही है।** संसद कुछ रोजगारों के लिए एक शर्त के रूप में किसी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के भीतर निवास निर्धारित कर सकती है।
- बुनियादी संरचना पर अन्य मामलों के उदाहरण
 - शंकर प्रसाद केस (1951)
 - गोलकनाथ केस (1967)
 - केशवानंद भारती केस (1973)
 - मिनर्वा मिल्स केस (1980)
 - वुमन राव केस (1981)
- कथन 4 सही है। सुप्रीम कोर्ट के आईआर कोएल्हो मामले ने संविधान की 9वीं अनुसूची को भी न्यायिक समीक्षा के अधीन कर दिया।
- अनुपूरक नोट्स:
 - संविधान के अनुच्छेद 3 के अनुसार, किसी भी नए राज्य के गठन/सीमाओं में परिवर्तन/नाम बदलने आदि के लिए, ऐसे विधेयक को केंद्रीय संसद में औपचारिक रूप से पेश करने से पहले राष्ट्रपति की पूर्व सिफारिश की आवश्यकता होती है। हालाँकि, हालाँकि राष्ट्रपति को संबंधित राज्य विधान सभा से परामर्श करना होता है, लेकिन यह उसके लिए अनिवार्य नहीं है। इसलिए, संसद उसकी सहमति के बिना किसी राज्य की सीमाओं को बदल सकती है या उसका नाम बदल सकती है, जिससे भारत "विनाशकारी राज्यों का अविनाशी संघ" बन जाएगा।
- बुनियादी संरचना पर अन्य मामलों के उदाहरण
 - शंकर प्रसाद केस (1951)
 - गोलकनाथ केस (1967)
 - केशवानंद भारती केस (1973)
 - मिनर्वा मिल्स केस (1980)
 - वुमन राव केस (1981)
- संसद भारत के संविधान के अनुच्छेद 16 के तहत उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में कुछ रोजगारों या नियुक्तियों के लिए एक शर्त के रूप में किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर निवास निर्धारित कर सकती है।

- आईआर कोएल्हो मामला आईआर कोएल्हो बनाम तमिलनाडु राज्य के ऐतिहासिक फैसले का प्रतीक है। 9वीं अनुसूची मामले के रूप में लोकप्रिय, भारत के दसवें मुख्य न्यायाधीश श्री वाई.के.सभरवाल की देखरेख में नौ न्यायाधीशों की पीठ ने 11 जनवरी 2007 को एक सर्वसम्मति निर्णय प्रकाशित किया, जिसमें किसी भी कानून(जो मौलिक अधिकारों में संविधान की मूल संरचना को नष्ट करता है भले ही वह कानून संविधान की नौवीं अनुसूची में रखा गया है) की समीक्षा या संशोधन करने के न्यायपालिका के अधिकार का समर्थन किया गया। इस प्रकार, इसने वास्तव में भारतीय संविधान में मूल संरचना सिद्धांत की पकड़ या शक्ति को मजबूत किया है, इस बात पर जोर दिया है कि यदि संशोधन उल्लंघनकारी है तो संशोधनों के परिणामों को निश्चित रूप से रद्द कर दिया जाना चाहिए।
- संविधान के भाग XX में अनुच्छेद 368 संविधान और इसकी प्रक्रियाओं में संशोधन करने की संसद की शक्ति से संबंधित है। यह दो प्रकार के संशोधनों का प्रावधान करता है, अर्थात् संसद के विशेष बहुमत द्वारा और संसद के विशेष बहुमत के साथ-साथ आधे राज्यों के विधानमंडलों के साधारण बहुमत द्वारा अनुसमर्थन द्वारा।

Article 16 in The Constitution Of India 1949

16. Equality of opportunity in matters of public employment

(1) There shall be equality of opportunity for all citizens in matters relating to employment or appointment to any office under the State

(2) No citizen shall, on grounds only of religion, race, caste, sex, descent, place of birth, residence or any of them, be ineligible for, or discriminated against in respect of, any employment or office under the State

(3) Nothing in this article shall prevent Parliament from making any law prescribing, in regard to a class or classes of employment or appointment to an office under the Government of, or any local or other authority within, a State or Union territory, any requirement as to residence within that State or Union territory prior to such employment or appointment

(4) Nothing in this article shall prevent the State from making any provision for the reservation of appointments or posts in favor of any backward class of citizens which, in the opinion of the State, is not adequately represented in the services under the State

(5) Nothing in this article shall affect the operation of any law which provides that the incumbent of an office in connection with the affairs of any religious or denominational institution or any member of the governing body thereof shall be a person professing a particular religion or belonging to a particular denomination

Constitutional Amendment in India

- Article 368
- Amendment by Simple Legislative Procedure
Admission & Formation of New States, Citizenship, Parliamentary privileges etc
- By Special Majority- by not < 2/3rd members of House present & voting + majority of its total membership
- By Special Majority + Ratification by not < 1/2 of State Legislatures – Entrenched Provisions
manner of President's election, extent of executive power of union & States, VII Schedule & Jurisdiction of SC & HCs etc.

Q 15. निम्न कथनों पर विचार कीजिए:

1. किसी भी राज्य लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य हो सकता है।
2. संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष किसी भी राज्य लोक सेवा आयोग का सदस्य हो सकता है।

3. संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य किसी भी राज्य लोक सेवा आयोग का सदस्य हो सकता है।
4. किसी भी राज्य लोक सेवा आयोग का सदस्य संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य हो सकता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

सही उत्तर (b)

एकाधिक कथन बारीकी से संबंधित लेकिन जटिल रूप से विभेदित- परीक्षा में त्रुटियों को प्रेरित करने के लिए यूपीएससी द्वारा उपयोग की जाने वाली ट्रेडमार्क रणनीति में से एक। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे पाठ्यक्रम के इन भागों को ध्यान से पढ़ें।

स्पष्टीकरण

- **कथन 1 सही है।** किसी भी राज्य लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य हो सकता है।
- **कथन 2 गलत है।** संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष किसी भी राज्य लोक सेवा आयोग का सदस्य हो सकता है।
- **कथन 3 गलत है।** संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य किसी भी राज्य लोक सेवा आयोग का सदस्य हो सकता है।
- **कथन 4 सही है।** किसी भी राज्य लोक सेवा आयोग का सदस्य संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य हो सकता है।
- **अनुपूरक नोट्स:**

पद	पुनर्नियुक्ति के प्रावधान
• अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग	• कोई पुनर्नियुक्ति नहीं
• सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग	• अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग
• अध्यक्ष, राज्य लोक सेवा आयोग	
• अध्यक्ष, राज्य लोक सेवा आयोग	• अध्यक्ष/सदस्य, कोई अन्य राज्य लोक सेवा आयोग
• अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग	
• सदस्य, राज्य लोक सेवा आयोग	• अध्यक्ष, राज्य लोक सेवा आयोग
• अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग	
• अध्यक्ष/सदस्य, कोई अन्य राज्य लोक सेवा आयोग	

Q 16. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए :

नाम	विवरण
1. केंद्रीय जाँच ब्यूरो	दिल्ली पुलिस विशेष स्थापना अधिनियम, 1946 के तहत वैधानिक निकाय
2. केंद्रीय सतर्कता आयोग	केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 के तहत वैधानिक निकाय
3. लोकपाल	लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम ,2013 के तहत वैधानिक निकाय

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

सही उत्तर (b)

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे भारत सरकार की प्रशासनिक मशीनरी के संवैधानिक-वैधानिक-गैर-वैधानिक संस्थानों के बारे में व्यापक समझ रखें। अंतर्निहित विषय पिछले वर्ष के प्रश्नों का भी हिस्सा रहा है, जो उनका गहन विश्लेषण करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

स्पष्टीकरण:

इसलिए, विकल्प (b) सही विकल्प है।

नाम ★	विवरण ★
• केंद्रीय जांच ब्यूरो	• दिल्ली पुलिस विशेष स्थापना अधिनियम 1946 के तहत गैर-सांविधिक निकाय
• केंद्रीय सतर्कता आयोग	• अधिनियम 2003 के तहत वैधानिक निकाय
• लोकपाल	• लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम 2013 के तहत वैधानिक निकाय

अनुपूरक नोट्स:

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई)

- यह भारत की प्रमुख जांच पुलिस एजेंसी है जो केंद्रीय सतर्कता आयोग और लोकपाल को सहायता प्रदान करती है।
- यह विभाग के अधीक्षण के तहत कार्य करता है। कार्मिक विभाग, कार्मिक, पेंशन और लोक शिकायत मंत्रालय, भारत सरकार - जो प्रधान मंत्री कार्यालय के अंतर्गत आता है। हालाँकि, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराधों की जांच के लिए इसका अधीक्षण केंद्रीय सतर्कता आयोग के पास है।

- यह भारत में नोडल पुलिस एजेंसी भी है जो इंटरपोल सदस्य देशों की ओर से जांच का समन्वय करती है।
- सीबीआई एक वैधानिक निकाय नहीं है, लेकिन उसे जांच करने की शक्ति दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 से प्राप्त होती है।
- भ्रष्टाचार निवारण पर संथानम समिति (1962-1964) द्वारा सीबीआई की स्थापना की सिफारिश की गई थी। सीवीसी अधिनियम, 2003 द्वारा सीबीआई के निदेशक को दो साल के कार्यकाल की सुरक्षा प्रदान की गई है।
- नवंबर 2021 में, राष्ट्रपति ने केंद्र को सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय के निदेशकों के कार्यकाल को दो साल से बढ़ाकर पांच साल तक बढ़ाने की अनुमति देने के लिए दो अध्यादेश जारी किए।
- केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी)
- इसकी स्थापना 1964 में सरकार द्वारा सतर्कता के क्षेत्र में केंद्र सरकार की एजेंसियों को सलाह देने और मार्गदर्शन करने के लिए श्री के. संथानम की अध्यक्षता वाली भ्रष्टाचार निवारण समिति की सिफारिशों पर की गई थी।
- सीवीसी की कल्पना सर्वोच्च सतर्कता संस्था के रूप में की गई है, जो किसी भी कार्यकारी प्राधिकारी के नियंत्रण से मुक्त है, जो केंद्र सरकार के तहत सभी सतर्कता गतिविधियों की निगरानी करती है और केंद्र सरकार के संगठनों में विभिन्न प्राधिकरणों को उनके सतर्क कार्यों की योजना बनाने, निष्पादित करने, समीक्षा करने और सुधार करने में सलाह देती है।
- संसद ने सीवीसी को वैधानिक दर्जा प्रदान करते हुए केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 (सीवीसी अधिनियम) अधिनियमित किया।
- यह एक स्वतंत्र निकाय है जो केवल संसद के प्रति उत्तरदायी है। यह अपनी रिपोर्ट भारत के राष्ट्रपति को सौंपता है।
- सदस्यों में शामिल हैं-
- केंद्रीय सतर्कता आयुक्त - अध्यक्ष।
- दो से अधिक सतर्कता आयुक्त - सदस्य नहीं।
- इसे कुछ श्रेणियों के लोक सेवकों द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत किए गए कथित अपराधों की जांच करने का अधिकार है।
- लोकपाल
- लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 में संघ के लिए लोकपाल और राज्यों के लिए लोकायुक्त की स्थापना का प्रावधान किया गया।
- ये संस्थाएं बिना किसी संवैधानिक स्थिति के वैधानिक निकाय हैं।
- वे एक "लोकपाल" का कार्य करते हैं और कुछ सार्वजनिक पदाधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों और संबंधित मामलों की जांच करते हैं।
- लोकपाल के अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक होता है।
- सदस्यों की नियुक्ति चयन समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

- चयन समिति में अध्यक्ष प्रधान मंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, लोकसभा में विपक्ष के नेता, भारत के मुख्य न्यायाधीश या उनके द्वारा नामित न्यायाधीश और एक प्रतिष्ठित न्यायविद् शामिल होते हैं।

Q 17. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत के राष्ट्रपति के ऊपर उनकी आधिकारिक क्षमता के अंतर्गत किए गए कार्यों के लिए मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है।
2. केंद्र सरकार के ऊपर उसके अधिकारियों द्वारा किए गए अपकृत्यों के लिए मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से गलत है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

सही उत्तर (b)

प्रमुख संवैधानिक प्रावधानों की अच्छी जानकारी रखने वाले उम्मीदवारों को इस प्रश्न को बिना किसी कठिनाई के हल करने में सक्षम होना चाहिए।

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** भारत के राष्ट्रपति पर उनकी आधिकारिक क्षमता में किए गए कार्यों के लिए मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत किसी भी राज्य के राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने कार्यालय की शक्तियों और कर्तव्यों के प्रयोग और प्रदर्शन के लिए किसी भी अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे।
- **कथन 2 गलत है।** केंद्र सरकार पर उसके अधिकारियों द्वारा किए गए अत्याचारों के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है। अनुच्छेद 21 के उल्लंघन के लिए केंद्र और राज्य सरकारें अपने कर्मचारियों द्वारा रोजगार के दौरान किए गए अत्याचारपूर्ण कृत्यों के लिए उत्तरदायी होंगी। सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी संख्या में मामलों में मौद्रिक मुआवजा दिया।

अनुपूरक नोट्स:

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 300 संवैधानिक अपकृत्य की अवधारणा का प्रतीक है। यह केंद्र और राज्य सरकारों को संपत्ति के स्वामित्व और अधिग्रहण, अनुबंध में प्रवेश करने, कानूनी कार्रवाई करने आदि में सक्षम न्यायिक व्यक्तियों के रूप में मुकदमा चलाने की अनुमति देता है।
- संवैधानिक अपकृत्य का विकास, जो अस्सी के दशक की शुरुआत में शुरू हुआ और नीलाबती बेहे नीलाबती बेहरा बनाम उड़ीसा राज्य (1993, पृष्ठ 373) मामले में न्यायिक मिसाल बन गया, ने पिछले दशक में अपकृत्य कानून की दिशा को गहराई से प्रभावित किया है।

- इसने राज्य के दायित्व को मान्यता दी है, और संप्रभु प्रतिरक्षा की रक्षा को नकारने में संवैधानिक अपकृत्य ने अपकृत्य कानून में पहले से स्थापित प्रथाओं के इर्द-गिर्द व्यापक कदम उठाए हैं। संवैधानिक अपकृत्य पूर्ण दायित्व के अंतर्गत आते हैं।
- भारत सरकार का व्यक्तियों का व्यक्तिगत दायित्व नहीं, बल्कि संविदात्मक दायित्व है। हालाँकि, सरकार की प्रतिरक्षा के संप्रभु/गैर-संप्रभु कार्यात्मक भेद को सर्वोच्च न्यायालय ने कस्तूरीलाल मामले (1965) में उठाया था।
- इसके बाद, नागेंद्र राव मामले (1994) में, न्यायालय ने संप्रभु प्रतिरक्षा के सिद्धांत की आलोचना की और राज्य के कपटपूर्ण दायित्व के संबंध में एक उदार दृष्टिकोण अपनाया, जहां राज्य लापरवाही के कारण प्रभावित नागरिकों को होने वाले नुकसान और मुआवजे से बच नहीं सकता है। लोक सेवक।
- सुप्रीम कोर्ट ने, फिर से कॉमन कॉज केस (1992) में, संप्रभु और गैर-संप्रभु प्रतिरक्षा के बीच मतभेदों को खारिज कर दिया, जिससे राज्य कपटपूर्ण कृत्यों के लिए उत्तरदायी हो गया।
- जहाँ तक राष्ट्रपति और राज्यपाल की बात है, उनके कार्यकाल के दौरान व्यक्तिगत कार्यों के लिए उनके खिलाफ कोई आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती है। हालाँकि, सिविल कार्यवाही 2 महीने के अग्रिम नोटिस के साथ शुरू की जा सकती है।
- मंत्री राष्ट्रपति और राज्यपाल के आधिकारिक कृत्यों के लिए भी उत्तरदायी नहीं हैं - अदालती जांच कार्यवाही में उनकी सलाह अस्वीकार्य है।

Q 18. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. संसद (अयोग्यता निवारण) अधिनियम, 1959 'लाभ के पद' के आधार पर कई पदों को अयोग्यता से छूट देता है।
2. उपर्युक्त अधिनियम में पाँच बार संशोधन किया गया है।
3. भारत के संविधान में 'लाभ का पद' शब्द को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

सही उत्तर (b)

- ऐसे कथन जो संविधान द्वारा व्युत्पन्न/परिभाषित किए जा रहे किसी प्रावधान से जुड़े होते हैं, आम तौर पर यूपीएससी द्वारा प्रेरित करने के लिए बिछाए गए जाल होते हैं। अभ्यर्थियों को ऐसी चालों से सावधान रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त, ऐसे प्रमुख स्थिर विषयों पर एक संक्षिप्त विचार उम्मीदवारों को ऐसे प्रश्नों को हल करने में सक्षम बनाना चाहिए। अंतर्निहित विषय पिछले वर्ष के प्रश्नों (उदाहरण 2019) का भी हिस्सा रहा है, जो उनका गहन विश्लेषण करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 ग़लत है।** संसद (अयोग्यता निवारण) अधिनियम, 1959 कई पदों को अयोग्यता से छूट देता है।
- **कथन 2 सही है।** इसके निर्माण के बाद से इसे 1960, 1999, 1993, 2006 और 2013 में 5 बार संशोधित किया गया है।
- **कथन 3 ग़लत है।** भारत का कानून या संविधान स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं करता है कि लाभ का पद क्या होता है, लेकिन विभिन्न अदालती फैसलों में की गई व्याख्याओं के साथ यह परिभाषा वर्षों में विकसित हुई है।

अनुपूरक नोट:

- यदि विधायक सरकार के अधीन 'लाभ का पद' रखते हैं, तो वे सरकार के प्रभाव के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं, और अपने संवैधानिक जनादेश का निष्पक्ष रूप से निर्वहन नहीं कर सकते हैं।
- आशय यह है कि निर्वाचित सदस्य के कर्तव्यों और हितों के बीच कोई टकराव नहीं होना चाहिए। इसलिए, लाभ का पद कानून केवल संविधान की एक बुनियादी विशेषता- विधायिका और कार्यपालिका के बीच शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत को लागू करने का प्रयास करता है।
- अयोग्यता से छूट प्राप्त पदों में शामिल हैं-
 - राज्य मंत्री और उप मंत्री,
 - संसदीय सचिव और संसदीय अवर सचिव,
 - संसद में उप मुख्य सचेतक,
 - विश्वविद्यालयों के कुलपति,
- राष्ट्रीय कैडेट कोर और प्रादेशिक सेना के अधिकारी, और सरकार द्वारा गठित सलाहकार समितियों के अध्यक्ष और सदस्य, जब वे क्षतिपूर्ति आदि के अलावा किसी शुल्क या पारिश्रमिक के हकदार नहीं हैं।
- कानून स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं करता है कि लाभ का पद क्या होता है, लेकिन विभिन्न अदालती फैसलों में की गई व्याख्याओं के साथ यह परिभाषा वर्षों में विकसित हुई है।
- 1964 में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि यह निर्धारित करने के लिए कि कोई व्यक्ति लाभ का पद रखता है या नहीं, नियुक्ति का परीक्षण है-
- इस निर्धारण में जिन कारकों पर विचार किया गया है उनमें शामिल हैं:
 - क्या सरकार नियुक्ति प्राधिकारी है
 - क्या सरकार के पास नियुक्ति समाप्त करने की शक्ति है
 - क्या सरकार पारिश्रमिक निर्धारित करती है
 - पारिश्रमिक का स्रोत क्या है
 - शक्ति जो पद के साथ आती है

- संविधान के अनुच्छेद 102 (1) और अनुच्छेद 191 (1) के तहत, एक सांसद या विधायक (या एमएलसी) को केंद्र या राज्य सरकार के तहत किसी भी लाभ का पद धारण करने से रोक दिया गया है।
- लेख स्पष्ट करते हैं कि "किसी व्यक्ति को भारत सरकार या किसी भी राज्य की सरकार के तहत केवल इस कारण से लाभ का पद धारण करने वाला नहीं माना जाएगा कि वह एक मंत्री है"।
- अनुच्छेद 102 और 191 के प्रावधान सरकारी पद पर आसीन विधायक की भी रक्षा करते हैं यदि प्रश्न में पद को कानून द्वारा अयोग्यता से प्रतिरक्षित किया गया हो।

Q 19. निम्नलिखित में से किस व्यक्ति को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जा सकता है?

- (a) भारत का कोई भी निवासी जो सात साल से भारत में रह रहा है।
- (b) भारतीय नागरिक जो कि पांच वर्षों तक उच्च न्यायालय का न्यायाधीश रहा है।
- (c) भारतीय नागरिक जो कि पांच वर्षों तक उच्च न्यायालय में वकालत कर चुका है।
- (d) भारतीय नागरिक जो कि सात वर्षों तक जिला अदालत के न्यायाधीश रहा है।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- न्यायाधीशों की योग्यताएँ:
- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने वाले व्यक्ति के पास निम्नलिखित योग्यताएँ होनी चाहिए:
- वह भारत का नागरिक होना चाहिए।
- उसे पांच साल तक उच्च न्यायालय (या उच्च न्यायालय में लगातार) का न्यायाधीश होना चाहिए था।
- उसे दस साल तक उच्च न्यायालय (या उच्च न्यायालय में लगातार) का अधिवक्ता होना चाहिए था।
- उसे राष्ट्रपति की राय में एक प्रतिष्ठित न्यायविद् होना चाहिए। अतः विकल्प (b) सही है।

Q 20. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 148 में कैग के कार्यालय का प्रावधान है।
2. कैग केवल केंद्र में जनता के धन का संरक्षक है, राज्य में नहीं।
3. कैग को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने भारत के संविधान के तहत सबसे महत्वपूर्ण अधिकारी कहा था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** भारत का संविधान (अनुच्छेद 148) भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) के एक स्वतंत्र कार्यालय का प्रावधान करता है। भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग 1753 में ब्रिटिश शासन के दौरान बनाया गया था।
- **कथन 2 गलत है:** कैग भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग का प्रमुख होता है। वह सार्वजनिक धन का संरक्षक है और केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर देश की संपूर्ण वित्तीय प्रणाली को नियंत्रित करता है।
- **कथन 3 सही है:** इसका कर्तव्य वित्तीय प्रशासन के क्षेत्र में भारत के संविधान और संसद के कानूनों को बनाए रखना है। यही कारण है कि डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने कहा कि, कैग भारत के संविधान के तहत सबसे महत्वपूर्ण अधिकारी होगा। यह भारत में सरकार की लोकतांत्रिक प्रणाली के स्तंभों में से एक है: अन्य सर्वोच्च न्यायालय, चुनाव आयोग और संघ लोक सेवा आयोग हैं।

Q 21. भाषाई अल्पसंख्यकों के विशेष अधिकारियों के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका प्रावधान मूल संविधान में मौजूद नहीं था और इसे सातवें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के माध्यम से जोड़ा गया है।
2. इसका प्रावधान संविधान के भाग XVI में मौजूद है।
3. विशेष अधिकारी का कार्यकाल 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, होता है।

उपर्युक्त कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- अनुच्छेद 350-B भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए एक विशेष अधिकारी का प्रावधान करता है, जिसे भारत में भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए आयुक्त (सीएलएम) के रूप में जाना जाता है, जो संविधान के तहत भारत में भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए प्रदान किए गए सुरक्षा उपायों से संबंधित सभी मामलों की जांच करेगा और राष्ट्रपति को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
- **कथन 1 सही है:** भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी का प्रावधान मूल संविधान में मौजूद नहीं था और इसे सातवें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के माध्यम से जोड़ा गया है।
- **कथन 2 गलत है:** इसका प्रावधान संविधान के भाग XVII में मौजूद है।

- **कथन 3 गलत है:** संविधान भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी को पदच्युत के लिए योग्यता, कार्यकाल, वेतन, भत्ते, सेवा शर्तें और प्रक्रिया निर्दिष्ट नहीं करता है।

Q 22. उच्चतम न्यायालय और उसके कार्यों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने के लिए आवश्यक न्यूनतम आयु 35 वर्ष है।
2. अनुच्छेद 126 उच्चतम न्यायालय को अभिलेख न्यायालय होने की शक्तियाँ प्रदान करता है।
3. उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने का आधार 'संविधान का उल्लंघन' है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 2
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** संविधान उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए कोई न्यूनतम आयु निर्धारित नहीं करता है।
- **कथन 2 गलत है:** उच्चतम न्यायालय के निर्णय, कार्यवाही और कार्य अनवरत स्मृति और गवाही के लिए रिकॉर्ड किए जाते हैं। इन अभिलेखों को साक्ष्य के तौर पर मूल्यवान माना जाता है और किसी भी न्यायालय के समक्ष पेश किए जाने पर इन पर सवाल नहीं उठाए जा सकते। उन्हें कानूनी मिसालों और कानूनी संदर्भों के रूप में मान्यता दी जाती है और न्यायालय को अभिलेख न्यायालय कहा जाता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 129 उच्चतम न्यायालय को अभिलेख न्यायालय होने का अधिकार देता है।
- **कथन 3 गलत है:** उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने का आधार 'सिद्ध कदाचार' और 'अक्षमता' है।

Q 23. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वह जनता के धन का संरक्षक है और केंद्र सरकार और राज्य सरकारों दोनों की वित्तीय प्रणालियों को नियंत्रित करता है।
2. वह लोक लेखा समिति का पदेन अध्यक्ष होता/होती है।
3. वह पांच वर्ष या 65 वर्ष तक, जो भी पहले हो, तक पद पर रहता/रहती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: भारत का नियंत्रक और महालेखा परीक्षक जनता के धन का संरक्षक है और केंद्र सरकार और राज्य सरकारों दोनों की वित्तीय प्रणालियों को नियंत्रित करता है।
- कथन 2 गलत है: लोकसभा अध्यक्ष के पास समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति का अधिकार है। समिति का अध्यक्ष मुख्यतः विपक्षी दल से होता है। भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक लोक लेखा समिति का पदेन अध्यक्ष नहीं होता है।
- कथन 3 गलत है: भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक छह साल की अवधि या 65 साल तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहते हैं।

Q 24. भारत के महान्यायवादी के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वह ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने के लिए योग्य हो।
2. वह पांच वर्ष या 65 वर्ष तक, जो भी पहले हो, तक पद पर रहता/रहती है।
3. वह केन्द्रीय मंत्रिमंडल का सदस्य नहीं होता/होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: महान्यायवादी एक ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने के लिए योग्य हो। दूसरे शब्दों में, वह भारत का नागरिक होना चाहिए और कम से कम पांच साल तक किसी उच्च न्यायालय का न्यायाधीश रहा हो, या किसी उच्च न्यायालय में 10 साल तक वकील रहा हो, या राष्ट्रपति की नजर में एक प्रतिष्ठित न्यायविद् रहा हो।
- कथन 2 गलत है: महान्यायवादी के लिए कार्यालय का कार्यकाल संविधान द्वारा तय नहीं किया गया है। वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है अर्थात् राष्ट्रपति द्वारा उसे किसी भी समय हटाया जा सकता है।
- कथन 3 सही है: महान्यायवादी केंद्रीय कैबिनेट का सदस्य नहीं होता है।

Q 25. निम्नलिखित में से किस प्रावधान को केवल संसद के विशेष बहुमत द्वारा संशोधित किया जा सकता है?

नये राज्यों का निर्माण या किसी राज्य की सीमा में परिवर्तन

1. निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन
2. संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व
3. सातवीं अनुसूची की कोई भी सूची
4. संविधान की छठी अनुसूची

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 3 और 4
- (c) केवल 1, 2, 4 और 5
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- निम्नलिखित प्रावधानों में केवल विशेष बहुमत के माध्यम से ही संशोधन किया जा सकता है:
 - राष्ट्रपति का चुनाव और उसकी रीति
 - संघ और राज्यों की कार्यकारी शक्ति का विस्तार।
 - उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय।
 - संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व
 - सातवीं अनुसूची की कोई भी सूची
 - अन्य प्रावधान जैसे नए राज्यों का गठन या किसी राज्य की सीमा में परिवर्तन, निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन और संविधान की छठी अनुसूची में संशोधन साधारण बहुमत के माध्यम से किया जा सकता है। अतः विकल्प (b) सही है।

Q 26. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. किसी पंचायत की अवधि समाप्त होने से पहले उसके विघटन पर गठित नई पंचायत पूरे पांच वर्ष तक कार्य करेगी।
2. 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम (1992) के प्रारंभ होते ही पंचायतों से संबंधित सभी राज्य कानून तत्काल प्रभाव से समाप्त हो गये।
3. ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर पर पंचायतों के सभी सदस्य प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा चुने जाते हैं।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

कथन 1 गलत है: किसी पंचायत की अवधि समाप्त होने से पहले उसके विघटन पर गठित पंचायत केवल उस शेष अवधि के लिए जारी रहेगी, जिसके लिए भंग पंचायत जारी रहती यदि वह इस प्रकार भंग नहीं हुई होती।

कथन 2 गलत है: पंचायतों से संबंधित सभी राज्य कानून इस अधिनियम के प्रारंभ होने से एक वर्ष की समाप्ति तक लागू रहेंगे।

कथन 3 सही है: ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर पर पंचायतों के सभी सदस्य सीधे लोगों द्वारा चुने जाएंगे।

Q 27. भारत की न्यायपालिका के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राष्ट्रपति सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश को भारत के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त कर सकता है।
2. राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से, भारत का मुख्य न्यायाधीश किसी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को अस्थायी अवधि के लिए सर्वोच्च न्यायालय के तदर्थ न्यायाधीश के रूप में नियुक्त कर सकता है।
3. सेवानिवृत्त न्यायाधीश जो अस्थायी अवधि के लिए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्य कर रहे हैं, उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के सभी अधिकार क्षेत्र, शक्तियाँ और विशेषाधिकारों का लाभ मिलेगा।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** जब भारत के मुख्य न्यायाधीश का पद रिक्त हो या भारत के मुख्य न्यायाधीश अस्थायी रूप से अनुपस्थित हों या भारत के मुख्य न्यायाधीश असमर्थ हों तो राष्ट्रपति सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को भारत के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त कर सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश कार्यालय के कर्तव्यों का पालन करने के लिए।
- **कथन 2 सही है:** भारत के मुख्य न्यायाधीश अस्थायी अवधि के लिए उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को सर्वोच्च न्यायालय के तदर्थ न्यायाधीश के रूप में नियुक्त कर सकते हैं। वह संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श और राष्ट्रपति की पूर्व सहमति के बाद ही ऐसा कर सकता है।

- **कथन 3 सही है:** किसी भी समय, भारत के मुख्य न्यायाधीश सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से अनुरोध कर सकते हैं, जो सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए विधिवत योग्य हैं, अस्थायी अवधि के लिए उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए। ऐसा न्यायाधीश ऐसे भत्तों का हकदार होता है जैसा राष्ट्रपति निर्धारित करता है।

Q 28. “पेसा अधिनियम 1996” के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. केंद्र सरकार ऐसी अनुसूचित जनजातियों को नामांकित कर सकती है, जिनका मध्यवर्ती स्तर पर पंचायत या जिला स्तर पर पंचायत में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।
2. प्रत्येक गांव में एक ग्राम सभा होगी जिसमें ऐसे व्यक्ति शामिल होंगे जिनके नाम ग्राम स्तर पर पंचायत के लिए मतदाता सूची में शामिल हैं।
3. नीलामी द्वारा गौण खनिजों के दोहन के लिए रियायत देने के लिए उचित स्तर पर ग्राम सभा या पंचायतों की पूर्व अनुशंसा अनिवार्य होगी।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** राज्य सरकार ऐसी अनुसूचित जनजातियों को नामांकित कर सकती है, जिनका मध्यवर्ती स्तर पर पंचायत या जिला स्तर पर पंचायत में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। लेकिन ऐसा नामांकन उस पंचायत में चुने जाने वाले कुल सदस्यों के दसवें हिस्से से अधिक नहीं होगा।
- **कथन 2 सही है:** प्रत्येक गाँव में एक ग्राम सभा होगी जिसमें ऐसे व्यक्ति शामिल होंगे जिनके नाम ग्राम स्तर पर पंचायत के लिए मतदाता सूची में शामिल हैं।
- **कथन 3 सही है:** नीलामी द्वारा गौण खनिजों के दोहन के लिए रियायत देने के लिए उचित स्तर पर ग्राम सभा या पंचायतों की पूर्व अनुशंसा अनिवार्य होगी।

Q 29. 1992 के 74वें संशोधन अधिनियम की विशेषताओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. विशेष राज्य के राज्यपाल यह निर्देश दे सकते हैं कि, अधिनियम के प्रावधान उनके विवेक के अनुसार संशोधित हो सकते हैं।
2. राज्य विधायिका नगर पालिकाओं द्वारा खातों के रखरखाव के संबंध में प्रावधान कर सकती है।
3. अधिनियम किसी भी नगर पालिका के लिए किसी विशिष्ट समय अवधि का प्रावधान नहीं करता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** राष्ट्रपति निर्देश दे सकते हैं कि वे ऐसे अपवादों और संशोधनों के अधीन केंद्र शासित प्रदेश पर लागू होंगे जैसा कि वह निर्दिष्ट कर सकते हैं।
- **कथन 2 सही है:** राज्य विधायिका नगर पालिकाओं द्वारा खातों के रखरखाव और ऐसे खातों की लेखापरीक्षा के संबंध में प्रावधान कर सकती है।
- **कथन 3 गलत है:** अधिनियम प्रत्येक नगर पालिका के लिए पांच साल के कार्यकाल का प्रावधान करता है। हालाँकि, इसका कार्यकाल पूरा होने से पहले इसे भंग किया जा सकता है।

Q 30. किसी राज्य का राज्यपाल निम्नलिखित में से कौन सा कार्य करता है?

1. वह केवल कार्यकारी, विधायी और न्यायिक शक्तियों का प्रयोग करता है।
2. उसे हमेशा मंत्रिपरिषद् की सहायता और सलाह से कार्य करना होता है।
3. उसके पास राज्य वित्त आयोग के सदस्यों को नियुक्त करने और हटाने की शक्ति है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** राज्यपाल की शक्तियों और कार्यों को निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत विभाजित किया जा सकता है:
 - कार्यकारी शक्तियाँ
 - विधायी शक्तियाँ
 - वित्तीय शक्तियाँ
 - न्यायिक शक्तियाँ
- **कथन 2 गलत है:** इसके अलावा राज्यपाल को विवेकाधीन शक्तियाँ प्राप्त हैं जिसमें वह मंत्रिपरिषद् की सहायता और सलाह से बाध्य नहीं है।

- **कथन 3 गलत है:** किसी राज्य का विधानमंडल, कानून द्वारा, राज्य वित्त आयोग (243-I) की संरचना, उसके सदस्यों के रूप में नियुक्ति के लिए आवश्यक योग्यताएं और उनके चयन की प्रक्रिया के बारे में प्रावधान कर सकता है।

Q 31. निम्नलिखित में से कौन सा शहरी स्थानीय निकायों का राजस्व का स्रोत है?

1. स्थानीय करों में संपत्ति कर, मनोरंजन कर शामिल हैं।
2. उपयोगकर्ता शुल्क में जल शुल्क, स्वच्छता शुल्क, सीवरेज शुल्क शामिल हैं।
3. पुस्तकालय उपकरण, शिक्षा उपकरण, भिक्षावृत्ति उपकरण जैसे विभिन्न उपकरण।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** स्थानीय करों से प्राप्त राजस्व में संपत्ति कर, मनोरंजन कर, विज्ञापनों पर कर, पेशेवर कर, जल कर, जानवरों पर कर, विधुत कर, तीर्थयात्रा कर, बाजार कर, नए पुलों पर टोल, चुंगी इत्यादि शामिल हैं।
- **कथन 2 सही है:** उपयोगकर्ता शुल्क (यानी सार्वजनिक उपयोगिताओं के लिए भुगतान) में जल शुल्क, स्वच्छता शुल्क, सीवरेज शुल्क आदि शामिल हैं।
- **कथन 3 सही है:** इसके अलावा, नगर निकाय पुस्तकालय उपकरण, शिक्षा उपकरण, भिक्षावृत्ति उपकरण आदि जैसे विभिन्न उपकरण लगाते हैं।

Q 32. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. संसद के कानून विश्व के किसी भी हिस्से में भारतीय नागरिकों और उनकी संपत्ति पर लागू होते हैं।
2. राष्ट्रपति को यह निर्देश देने का अधिकार है कि संसद का कोई अधिनियम राज्य के अनुसूचित क्षेत्र पर लागू नहीं होगा।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** संसद 'अतिरिक्त क्षेत्रीय कानून' बना सकती है। इस प्रकार, संसद के कानून विश्व के किसी भी हिस्से में भारतीय नागरिकों और उनकी संपत्ति पर भी लागू होते हैं।
- **कथन 2 गलत है:** राज्यपाल को यह निर्देश देने का अधिकार है कि संसद का एक अधिनियम राज्य के अनुसूचित क्षेत्र पर लागू नहीं होगा या निर्दिष्ट संशोधनों और अपवादों के साथ लागू नहीं होगा।

Q 33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाती है।
2. भारतीय न्यायपालिका के न्यायाधीशों का चयन राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग के माध्यम से किया जाता है।
3. न्यायाधीशों की नियुक्ति की पूर्ववर्ती कॉलेजियम प्रणाली को अधिकार क्षेत्र से बाहर बताते हुए रद्द कर दिया गया है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के ऐसे अन्य न्यायाधीशों से परामर्श के बाद की जाती है, जिन्हें वह आवश्यक समझे।
- **कथन 2 गलत है:** 2014 के 99वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम और 2014 के राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम ने सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली को राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (NJAC) नामक एक नए निकाय के साथ बदल दिया था। हालाँकि, 2015 में, सुप्रीम कोर्ट ने 99वें संवैधानिक संशोधन और NJAC अधिनियम दोनों को असंवैधानिक और शून्य घोषित कर दिया।
- **कथन 3 गलत है:** परिणामस्वरूप, पहले वाली कॉलेजियम प्रणाली फिर से सक्रिय हो गई। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला चतुर्थ न्यायाधीश मामले (2015) में सुनाया। कोर्ट ने कहा कि नई प्रणाली (यानी NJAC) न्यायपालिका की स्वतंत्रता को प्रभावित करेगी।

Q 34. उच्चतम न्यायालय का रिट क्षेत्राधिकार निम्नलिखित में से किस मामले में उच्च न्यायालय से भिन्न है?

1. उच्च न्यायालय के विपरीत, सर्वोच्च न्यायालय न केवल मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए बल्कि किसी अन्य उद्देश्य के लिए भी रिट जारी कर सकता है।

2. सर्वोच्च न्यायालय भारत के पूरे क्षेत्र में किसी व्यक्ति के विरुद्ध रिट जारी कर सकता है जबकि एक उच्च न्यायालय अपने क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के बाहर रिट जारी नहीं कर सकता है।
3. सर्वोच्च न्यायालय के विपरीत, एक उच्च न्यायालय अपने रिट क्षेत्राधिकार का प्रयोग करने से इनकार कर सकता है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 3
- (d) केवल 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- उच्चतम न्यायालय (अनुच्छेद 32 के तहत) और उच्च न्यायालय (अनुच्छेद 226 के तहत) बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, निषेध, उत्प्रेषण और अधिकार पृच्छा की रिट जारी कर सकते हैं।
- **कथन 1 गलत है:** सर्वोच्च न्यायालय केवल मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए रिट जारी कर सकता है जबकि एक उच्च न्यायालय न केवल मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए बल्कि किसी अन्य उद्देश्य के लिए भी रिट जारी कर सकता है।
- **कथन 2 गलत है:** सर्वोच्च न्यायालय पूरे भारत में किसी व्यक्ति या सरकार के खिलाफ रिट जारी कर सकता है, जबकि एक उच्च न्यायालय अपने क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार के भीतर या उसके क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के बाहर रहने वाले किसी व्यक्ति या सरकार या प्राधिकरण के खिलाफ रिट जारी कर सकता है। केवल तभी यदि कार्रवाई का कारण उसके क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के भीतर उत्पन्न होता है।
- **कथन 3 सही है:** अनुच्छेद 32 के तहत उपचार अपने आप में एक मौलिक अधिकार है और इसलिए, सर्वोच्च न्यायालय अपने रिट क्षेत्राधिकार का प्रयोग करने से इनकार नहीं कर सकता है। दूसरी ओर, अनुच्छेद 226 के तहत उपचार विवेकाधीन है और इसलिए एक उच्च न्यायालय अपने रिट क्षेत्राधिकार का प्रयोग करने से इनकार कर सकता है।

Q 35. किस समिति/आयोग ने सिफारिश की कि “अनुच्छेद 263 के तहत एक स्थायी अंतर-राज्य परिषद जिसे अंतर-सरकारी परिषद कहा जाता है, स्थापित की जानी चाहिए”?

- a. राजमन्नार समिति
- b. सरकारिया आयोग
- c. पुंछी आयोग
- d. जेवीपी समिति

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- 1983 में, केंद्र सरकार ने आर.एस. सरकारिया की अध्यक्षता में केंद्र राज्य संबंधों पर तीन सदस्यीय आयोग नियुक्त किया। सरकारिया, सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश थे। आयोग को सभी क्षेत्रों में केंद्र और राज्यों के बीच मौजूदा व्यवस्थाओं के कामकाज की जांच और समीक्षा करने और उचित बदलाव और उपायों की सिफारिश करने के लिए कहा गया था।
- महत्वपूर्ण सिफारिशें नीचे उल्लिखित हैं:
- अनुच्छेद 263 के तहत एक स्थायी अंतर-राज्य परिषद जिसे अंतर-सरकारी परिषद कहा जाता है, स्थापित की जानी चाहिए।
- अनुच्छेद 356 (राष्ट्रपति शासन) का उपयोग बहुत संयमित ढंग से किया जाना चाहिए, चरम मामलों में अंतिम उपाय के रूप में जब सभी उपलब्ध विकल्प विफल हो जाते हैं।
- अखिल भारतीय सेवाओं की संस्था को और मजबूत किया जाना चाहिए और ऐसी अन्य सेवाओं का गठन किया जाना चाहिए। अतः विकल्प (b) सही है।

Q 36. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. जब राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा लागू होती है तो राष्ट्रपति को राज्य सूची के मामलों के संबंध में कानून बनाने की शक्ति प्राप्त हो जाती है।
2. राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान बनाए गए कानून आपातकाल समाप्त होने के छह महीने की समाप्ति पर निष्क्रिय हो जाएंगे।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

कथन 1 गलत है: राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा के दौरान संसद को वस्तु एवं सेवा कर या राज्य सूची के मामलों के संबंध में कानून बनाने की शक्ति प्राप्त हो जाती है।

कथन 2 सही है: आपातकाल समाप्त होने के छह महीने की समाप्ति पर कानून निष्क्रिय हो जाते हैं।

Q 37. "राज्यपाल" के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. किसी भी राज्यपाल को उसका कार्यकाल पूरा होने तक पद से हटाया नहीं जा सकता।
2. कोई भी राज्यपाल पांच वर्ष से अधिक पद पर नहीं रह सकता।
3. प्रधानमंत्री नियुक्त राज्यपाल को एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित कर सकता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो

- (c) सभी तीन
(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (d)

व्याख्या:

कथन 1 गलत है: अनुच्छेद 156(1) के अनुसार, राज्यपाल राष्ट्रपति की इच्छा तक पद पर बने रहेंगे; अर्थात् राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल को उसका कार्यकाल पूरा होने से पहले ही हटाया जा सकता है।

कथन 2 गलत है: अनुच्छेद 156(4) के अनुसार, राज्यपाल अपने कार्यकाल की समाप्ति के बावजूद, तब तक पद पर बने रहेंगे जब तक कि उनका उत्तराधिकारी पद ग्रहण नहीं कर लेता।

कथन 3 गलत है: राष्ट्रपति एक राज्य में नियुक्त राज्यपाल को शेष कार्यकाल के लिए दूसरे राज्य में स्थानांतरित कर सकता है।

Q 38. निम्नलिखित में से कौन सा कर राज्यों द्वारा लगाया और एकत्र किया जाता है और अपने पास रखा जाता है?

1. कृषि आय पर कर
2. मानव उपभोग के लिए एल्कोहलिक शराब पर उत्पाद शुल्क
3. विनिमय बिलों पर स्टाम्प शुल्क
4. माल की बिक्री या खरीद पर कर

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- (a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 और 4
(d) केवल 1 और 4

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 और 2 सही हैं:** राज्यों द्वारा लगाए गए और एकत्र किए गए और रखे गए कर: (i) भूमि राजस्व (ii) कृषि आय पर कर (iii) कृषि भूमि के उत्तराधिकार के संबंध में कर्तव्य (iv) कृषि भूमि के संबंध में संपत्ति शुल्क (v) भूमि और भवनों पर कर (vi) खनिज अधिकारों पर कर (vii) मानव उपभोग के लिए एल्कोहलिक शराब पर उत्पाद शुल्क अफीम, भारतीय गांजा और अन्य नशीली दवाएं और नशीले पदार्थ, लेकिन इसमें एल्कोहल या नशीले पदार्थों से युक्त औषधीय और शौचालय संबंधी तैयारी शामिल नहीं हैं।
- **कथन 3 गलत है:** केंद्र द्वारा लगाए गए लेकिन राज्यों द्वारा एकत्र और विनियोग किए गए कर (अनुच्छेद 268): इस श्रेणी में विनिमय के बिल, चेक, वचन पत्र, बीमा की पॉलिसियों, शेयरों के हस्तांतरण और अन्य पर स्टाम्प शुल्क शामिल हैं।

- कथन 4 गलत है: केंद्र द्वारा लगाए और एकत्र किए गए लेकिन राज्यों को सौंपे गए कर (अनुच्छेद 269): अंतर-राज्य व्यापार या वाणिज्य के दौरान माल (समाचार पत्रों के अलावा) की बिक्री या खरीद पर कर।

Q 39. निम्नलिखित में से कौन राज्यसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता करता है, जब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों के पद रिक्त हो जाते हैं?

- राज्य सभा का सबसे वरिष्ठ सदस्य।
- वह व्यक्ति जिसे सदन के सदस्यों द्वारा अपने में से चुना जाता है।
- भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त राज्यसभा का कोई भी सदस्य।
- केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- जब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों के पद रिक्त होते हैं तो राष्ट्रपति लोकसभा के किसी भी सदस्य को इसकी कार्यवाही की अध्यक्षता करने के लिए नियुक्त कर सकता है।
- इसी प्रकार, वह राज्यसभा के किसी भी सदस्य को इसकी कार्यवाही की अध्यक्षता करने के लिए नियुक्त कर सकता है जब सभापति और उपसभापति दोनों के पद रिक्त हो जाते हैं। अतः विकल्प (c) सही है।

Q 40. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- राष्ट्रपति के महाभियोग का आरोप, आरोप तय करने वाले दो-तिहाई सदस्यों द्वारा सौंपा जाना चाहिए।
- महाभियोग संसद में एक अर्ध-न्यायिक प्रक्रिया है।

उपयुक्त दिए गए कथनों में कौन सा/से सही है/हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** राष्ट्रपति पर महाभियोग का आरोप संसद के किसी भी सदन द्वारा शुरू किया जा सकता है। इन आरोपों पर सदन के एक-चौथाई सदस्यों (जिन्होंने आरोप तय किए) के हस्ताक्षर होने चाहिए और राष्ट्रपति को 14 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए। महाभियोग प्रस्ताव उस सदन की कुल सदस्यता के दो-तिहाई बहुमत से पारित होने के बाद इसे दूसरे सदन में भेजा जाता है।
- **कथन 2 सही है:** महाभियोग अर्ध-न्यायिक प्रकृति को दर्शाता है क्योंकि यह विधायी और न्यायिक प्रकृति दोनों को दर्शाता है।

Q 41. लोक अदालत के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. लोक अदालतों को उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित मामले के संबंध में कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है।
2. यह एक वैधानिक निकाय है।
3. जिला न्यायाधीश लोक अदालत का पद के अनुसार अध्यक्ष होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा सही है?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** लोक अदालत का अधिकार क्षेत्र किसी विवाद के पक्षकारों के बीच समझौता या समझौते को निर्धारित करना है। लोक अदालत किसी भी अदालत के समक्ष लंबित किसी भी विवाद या ऐसे किसी विवाद की सुनवाई कर सकती हैं, जो किसी भी अदालत के समक्ष नहीं लाया गया है और अदालत के समक्ष दायर होने की संभावना है।
- **कथन 2 सही है:** लोक अदालतों को कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत वैधानिक दर्जा प्राप्त है।
- **कथन 3 गलत है:** राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (NALSA) अन्य कानूनी सेवा संस्थानों के साथ मिलकर लोक अदालतों का आयोजन करता है। जिला न्यायाधीश लोक अदालतों का पदेन अध्यक्ष नहीं होता है, वास्तव में लोक अदालतों की प्रकृति के आधार पर अध्यक्षों की नियुक्ति केंद्रीय प्राधिकरण या जैसा भी विवाद हो उसी आधार पर राज्य प्राधिकरण द्वारा की जाती है। आम तौर पर लोक अदालत में अध्यक्ष के रूप में एक न्यायिक अधिकारी और सदस्य के रूप में एक अधिवक्ता और एक सामाजिक कार्यकर्ता होते हैं।

Q 42. हाल ही में, भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामले में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल को बुलाने के कारण उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (न्यायिक) और उनके स्टाफ सदस्यों को निलंबित कर दिया गया है। मजिस्ट्रेट और उसके स्टाफ के द्वारा वर्तमान राज्यपाल को बुलावा भेजकर भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद का उल्लंघन किया गया है ?

- (a) अनुच्छेद 158
- (b) अनुच्छेद 229
- (c) अनुच्छेद 233A

(d) अनुच्छेद 361

उत्तर- (d)

व्याख्या:

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 361 राष्ट्रपति, राज्यपालों और राजप्रमुख को सुरक्षा प्रदान करता है। अनुच्छेद 361 (1) के अनुसार राष्ट्रपति या राज्यपाल या किसी राज्य का प्रमुख अपने कार्यालय की शक्तियों और कर्तव्यों के पालन और उसके द्वारा किये जाने वाले किसी भी कार्य के लिये किसी न्यायालय में जवाबदेह नहीं होंगा। अनुच्छेद 361 (2) के अनुसार, राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के खिलाफ उनके कार्यकाल के दौरान किसी भी अदालत में कोई आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जाएगी या जारी नहीं रखी जाएगी। अतः विकल्प (d) सही है।

Q 43. भारतीय संविधान के मूल संरचना के सिद्धांत के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- संविधान की मूल संरचना बनाने वाले प्रावधानों को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13 के तहत सूचीबद्ध किया गया है।
- केशवानंद भारती वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मूल संरचना का सिद्धांत 24 अप्रैल, 1973 के बाद अधिनियमित संवैधानिक संशोधनों पर लागू होगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1, न ही 2

उत्तर- (d)

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है:** सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अभी तक यह परिभाषित या स्पष्ट नहीं किया है कि संविधान की मूल संरचना में कौन कौनसे प्रावधान शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय के विभिन्न निर्णयों के आधार पर हम संविधान की मूल संरचना के कुछ प्रावधानों को अलग कर सकते हैं। हालाँकि, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13 के तहत उल्लिखित ऐसे प्रावधानों की कोई सूची नहीं है।
- कथन 2 गलत है:** वामन राव वाद (1981) में, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मूल संरचना का सिद्धांत 24 अप्रैल, 1973 के बाद अधिनियमित संवैधानिक संशोधनों पर लागू होगा। केशवानंद भारती निर्णय 24 अप्रैल, 1973 को सर्वोच्च न्यायालय की 13 जजों की पीठ द्वारा सुनाया गया था तथा 'मूल संरचना' (Basic Structure) का ऐतिहासिक सिद्धांत दिया गया।

Q 44. भारत में चुनाव कानूनों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. मौजूदा चुनाव कानून उम्मीदवारों को अधिकतम दो निर्वाचन क्षेत्रों से एक साथ चुनाव लड़ने की अनुमति देता है।
2. उपराष्ट्रपति के चुनाव से संबंधित सभी वाद-विवादों की जाँच और उनका निपटारा भारत के चुनाव आयोग द्वारा किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर- (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए), 1951 की धारा 33(7) के अनुसार, एक उम्मीदवार अधिकतम दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ सकता है।
- **कथन 2 गलत है:** संविधान के अनुच्छेद 71 के अनुसार, राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के चुनाव से संबंधित वाद-विवादों की जाँच और उनका निपटारा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किया जाएगा।

Q 45. निम्नलिखित में से किस समिति ने चुनावों के राज्य वित्तपोषण का सुझाव दिया था?

- A. राजा चेलैया समिति
- B. केलकर समिति
- C. इंद्रजीत गुप्ता समिति
- D. रंगराजन समिति

उत्तर- (c)

व्याख्या:

- **चुनावों के राज्य वित्त पोषण पर इंद्रजीत गुप्ता समिति (1998):**
- 1998 में गठित इंद्रजीत गुप्ता समिति ने चुनावों के लिए राज्य के वित्तपोषण का समर्थन किया। समिति के अनुसार राज्य वित्त पोषण से कम धनी राजनीतिक दलों को भी चुनाव में मदद मिलेगी और उन्हें भी सबके बराबर मुकाबले का मौका मिलेगा, जो कि संवैधानिक, कानूनी और साथ ही जनहित के आधार पर भी उचित है। अतः विकल्प (C) सही है।

Q 46. निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) के सदस्य हैं?

1. नीति आयोग के सदस्य
2. सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री
3. सभी राज्यों के मुख्यमंत्री
4. सभी राज्यों के राज्यपाल

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 1, 2 और 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) की संरचना है:

- प्रधानमंत्री
- सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री
- नीति आयोग के सदस्य
- केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि, और
- भारत के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री
- राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) की संरचना में सभी राज्यों के राज्यपाल शामिल नहीं हैं। अतः विकल्प (b) सही है।

Q 47. निम्नलिखित में से कौन सा संसदीय प्रस्ताव केवल लोकसभा में ही पेश किया जा सकता है, राज्यसभा में नहीं?

1. अविश्वास प्रस्ताव
2. निंदा प्रस्ताव
3. विशेषाधिकार प्रस्ताव
4. ध्यानाकर्षण प्रस्ताव
5. कटौती प्रस्ताव

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1, 2 और 5
- (c) केवल 1, 2 और 3
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- अविश्वास प्रस्ताव एक संसदीय प्रस्ताव है जो केवल लोकसभा में पेश किया जाता है, राज्यसभा में नहीं। यह संपूर्ण मंत्रिपरिषद के विरुद्ध लाया गया है।
- निंदा प्रस्ताव केवल लोकसभा में ही लाया जा सकता है। इसे किसी एक मंत्री, मंत्रियों के समूह या संपूर्ण मंत्रिपरिषद के विरुद्ध पेश किया जा सकता है।
- विशेषाधिकार प्रस्ताव किसी सदस्य द्वारा तब पेश किया जाता है जब उसे लगता है कि किसी मंत्री ने सदन के विशेषाधिकार का उल्लंघन किया है। इसका मकसद संबंधित मंत्री की निंदा करना है। इसे राज्यसभा के साथ-साथ लोकसभा में भी लाया जा सकता है।
- अत्यावश्यक सार्वजनिक महत्व के किसी मामले पर मंत्री का ध्यान आकर्षित करने के लिए किसी सदस्य द्वारा संसद में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पेश किया जा सकता है। इसे राज्यसभा के साथ-साथ लोकसभा में भी पेश किया जा सकता है।
- कटौती प्रस्ताव अनुदान की मांग के हिस्से के रूप में वित्त विधेयक में सरकार द्वारा विशिष्ट आवंटन के लिए चर्चा की जा रही मांग का विरोध करने के लिए लोकसभा के सदस्यों में निहित एक विशेष शक्ति है। अतः विकल्प (b) सही है।

Q 48. दल-बदल विरोधी कानून के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. दल-बदल विरोधी कानून के तहत, यदि कोई निर्दलीय विधायक निर्वाचित होने के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होना चाहता है तो उसे अपनी सीट छोड़नी होगी।
2. यदि किसी राजनीतिक दल के टिकट पर चुना गया कोई सदस्य स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है और किसी अन्य पार्टी में शामिल हो जाता है, तो उसे दल-बदल विरोधी कानून के तहत बर्खास्त कर दिया जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- दल-बदल विरोधी कानून वर्ष 1985 के 52वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के माध्यम से पेश किया गया था।
- कथन 1 सही है: दल-बदल विरोधी कानून के तहत, किसी निर्दलीय विधायक को अपनी सीट छोड़नी होगी यदि वह निर्वाचित होने के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होना चाहता है।
- कथन 2 सही है: अधिनियम के अनुसार, भले ही किसी राजनीतिक दल के टिकट पर चुना गया, यदि कोई सदस्य पार्टी की सदस्यता "स्वेच्छा से छोड़ देता है" और किसी अन्य पार्टी में शामिल हो जाता

है, वह दल-बदल विरोधी कानून के अधीन होता है, जहां वे निर्वाचित सीट से अपनी सदस्यता खो देते हैं।

Q 49. लोकपाल और लोकायुक्त के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. लोकपाल एक बहु-सदस्यीय निकाय है, जिसमें एक अध्यक्ष और अधिकतम पाँच सदस्य होते हैं।
2. ये वैधानिक निकाय हैं।
3. भारत में, महाराष्ट्र लोकायुक्त संस्था की स्थापना करने वाला पहला राज्य बन गया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** वर्ष 1966 में, प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग ने सांसदों सहित सार्वजनिक पदाधिकारियों के खिलाफ शिकायतों के निपटान हेतु केंद्र और राज्य स्तर पर दो स्वतंत्र प्राधिकरणों की स्थापना की सिफारिश की थी। लोकपाल एक बहु-सदस्यीय निकाय है, जिसमें एक अध्यक्ष और अधिकतम 8 सदस्य होते हैं।
- **कथन 2 सही है:** लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 (जिसे आमतौर पर लोकपाल अधिनियम के रूप में जाना जाता है), भारत में भारतीय संसद का एक भ्रष्टाचार विरोधी अधिनियम है जो 'इन दो संस्थानों के गठन का प्रावधान करना चाहता है। इसलिए, ये वैधानिक निकाय हैं।
- **कथन 3 सही है:** भारत में, महाराष्ट्र वर्ष 1971 में लोकायुक्त संस्था की स्थापना करने वाला पहला राज्य बन गया।

Q 50. भारतीय न्याय संहिता 2023 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860 का स्थान लेगा।
2. इसमें राजद्रोह के अपराध को नहीं हटाया गया है।
3. संगठित अपराध को जुर्म के रूप में जोड़ा गया है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** भारतीय न्याय संहिता 2023 ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860 (भारत में आपराधिक जुर्मों से संबंधित प्रमुख कानून) का स्थान ले लिया है।
- **कथन 2 गलत है:** इसमें राजद्रोह के अपराध को हटा दिया गया है। राजद्रोह अब अपराध नहीं है। इसके बजाय, भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों के लिए एक नया अपराध है।
- **कथन 3 सही है:** संगठित अपराध को अपराध के रूप में जोड़ा गया है। इसमें अपराध संघ की ओर से किए गए अपहरण, जबरन वसूली और साइबर अपराध जैसे अपराध शामिल हैं। छोटे-मोटे संगठित अपराध भी अब अपराध हैं।

Q51. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. किसी भी संविधान-पूर्व संधि से उत्पन्न विवाद पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दी गई सलाह राष्ट्रपति के लिए बाध्यकारी है।
2. यदि कानून या सार्वजनिक महत्व के तथ्य का कोई प्रश्न उठता है तो सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्रपति को अपनी राय देने से इनकार कर सकता है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** संविधान-पूर्व संधि से उत्पन्न होने वाले किसी भी विवाद के दौरान, सर्वोच्च न्यायालय को अपनी राय राष्ट्रपति को सौंपनी होगी। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सलाह है, न्यायिक घोषणा नहीं। इसलिए, यह राष्ट्रपति पर बाध्यकारी नहीं है; वह राय का पालन कर सकता है या नहीं भी कर सकता है।
- **कथन 2 सही है:** सार्वजनिक महत्व के कानून या तथ्य के किसी भी प्रश्न पर जो उत्पन्न हुआ है या जिसके उठने की संभावना है, सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्रपति को अपनी राय देने से इनकार कर सकता है या देने से इनकार कर सकता है।

Q 52. न्यायिक समीक्षा" के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के कार्यकारी आदेशों की संवैधानिकता की जांच करने की न्यायपालिका की शक्ति के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
2. उच्चतम न्यायालय ने अब तक न्यायिक समीक्षा की शक्ति को संविधान की आधारभूत संरचना घोषित नहीं किया है।

3. संविधान की सर्वोच्चता के सिद्धांत को कायम रखने के लिए न्यायिक समीक्षा की आवश्यकता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** न्यायिक समीक्षा केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के विधायी अधिनियमों और कार्यकारी आदेशों की संवैधानिकता की जांच करने की न्यायपालिका की शक्ति है।
- **कथन 2 गलत है:** इंदिरा गांधी बनाम राज नारायण केस 1975 में, सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक समीक्षा की शक्ति को संविधान की मूल संरचना का एक तत्व घोषित किया है।
- **कथन 3 सही है:** संविधान की सर्वोच्चता के सिद्धांत को बनाए रखने, संघीय संतुलन बनाए रखने, नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक समीक्षा की आवश्यकता है।

Q 53. राज्य विधानसभाओं के सदस्यों को प्राप्त व्यक्तिगत विशेषाधिकारों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वे राज्य विधानमंडल में कही गई किसी भी बात के लिए किसी भी अदालत में कार्यवाही के लिए उत्तरदायी नहीं हैं।
2. राज्य विधानमंडल सत्र के दौरान वे अदालत में गवाह के रूप में उपस्थित होने से इनकार कर सकते हैं।
3. मामले की प्रकृति चाहे दीवानी हो या आपराधिक, सदस्यों को राज्य विधानमंडल के सत्र के दौरान गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1
- (c) 1, 2 और 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** सदस्यों को राज्य विधानमंडल में बोलने की स्वतंत्रता है। और कोई भी सदस्य राज्य विधानमंडल में कही गई किसी भी बात के लिए किसी भी अदालत में कार्यवाही के लिए उत्तरदायी नहीं है।

- **कथन 2 सही है:** विधानसभा सत्र के दौरान उन्हें न्यायिक सेवा से छूट प्राप्त है। इसलिए जब राज्य विधानमंडल का सत्र चल रहा हो तो वे अदालत में गवाह के रूप में पेश होने या सबूत देने से इनकार कर सकते हैं।
- **कथन 3 गलत है:** संसद सत्र के दौरान सदस्यों को सत्र शुरू होने से 40 दिन पहले और सत्र समाप्त होने के 40 दिन बाद तक गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। हालाँकि, यह विशेषाधिकार केवल दीवानी मामलों में ही उपलब्ध है, आपराधिक मामलों में नहीं।

Q 54. भारत में न्यायपालिका और उसके कार्यों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति के परामर्श से भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाती है।
2. 'न्यायिक समीक्षा' वाक्यांश का उल्लेख सर्वोच्च न्यायालय के लिए अनुच्छेद 136 और उच्च न्यायालयों के लिए अनुच्छेद 226 में किया गया है।
3. अनुच्छेद 129 और अनुच्छेद 215 सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों को क्रमशः अभिलेख न्यायालय होने की शक्तियाँ प्रदान करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** किसी भी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- **कथन 2 गलत है:** न्यायिक समीक्षा वाक्यांश का भारत के संविधान में कहीं भी उल्लेख नहीं किया गया है। हालाँकि, अनुच्छेद 13 और अनुच्छेद 226 स्पष्ट रूप से न्यायिक समीक्षा की शक्ति प्रदान करते हैं।
- **कथन 3 सही है:** भारतीय संविधान का अनुच्छेद 129 सर्वोच्च न्यायालय को अभिलेख न्यायालय होने का अधिकार देता है अर्थात् सर्वोच्च न्यायालय के पास ऐसे न्यायालय की सभी शक्तियाँ होंगी, जिसमें स्वयं की अवमानना के लिए दंडित करने की शक्ति भी शामिल है। इसी प्रकार अनुच्छेद 215 उच्च न्यायालयों को अभिलेख न्यायालय की शक्ति प्रदान करता है। प्रत्येक उच्च न्यायालय के पास ऐसे न्यायालय की सभी शक्तियाँ होंगी जिनमें स्वयं की अवमानना के लिए दंडित करने की शक्ति भी शामिल है।

Q 55. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (आरपीए अधिनियम 1950) में सीटों के आवंटन का उल्लेख निम्नलिखित में से किस निकाय के लिए किया गया है?

1. लोकसभा
2. राज्य सभा
3. विधान सभाएँ
4. विधान परिषदें

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर का चुनाव कीजिये।

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 1, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर - (c)

व्याख्या:

- जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (आरपीए अधिनियम 1950) में चार अनुसूचियाँ शामिल हैं।
 - ✓ पहली अनुसूची: लोक सभा में सीटों का आवंटन
 - ✓ दूसरी अनुसूची: विधान सभाओं में सीटों की कुल संख्या
 - ✓ तीसरी अनुसूची: विधान परिषदों में सीटों का आवंटन
 - ✓ चौथी अनुसूची: विधान परिषदों के चुनाव के प्रयोजनों के लिए स्थानीय प्राधिकारी
 - ✓ भारतीय संविधान की चौथी अनुसूची में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए राज्यसभा में सीटों के आवंटन का उल्लेख है। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (आरपीए अधिनियम 1950) के तहत इसका उल्लेख नहीं है। अतः विकल्प (C) सही है।

Q 56. निम्नलिखित में से कौन सा कथन भारत में चुनाव प्रणाली के संदर्भ में, 'वर्गीकृत सेवा मतदाता' (सीएसवी) शब्दावली का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

- (a) चुनाव के दौरान मत डालने के लिए दृष्टिबाधित व्यक्ति की सहायता करने वाला एक व्यक्ति
- (b) चुनाव इयूटी के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र के बाहर तैनात सरकारी अधिकारी
- (c) वे विदेशी मतदाता या एनआरआई जो चुनाव में ई-पोर्टल के माध्यम से मतदान करते हैं।
- (d) संघ के सशस्त्र बलों के सदस्य जो प्रॉक्सी के माध्यम से मतदान करते हैं।

उत्तर- (d)

व्याख्या:

- सेवा मतदाता वे हैं जिनके पास लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 20 की उपधारा (8) सेवा योग्यता है, जिसका अर्थ है -

- संघ के सशस्त्र बलों का सदस्य होना
- किसी बल का सदस्य होना, जिस पर सेना अधिनियम, 1950 (1950 का 46) के प्रावधान लागू किए गए हैं, चाहे संशोधन के साथ या संशोधन के बिना।
- किसी राज्य के सशस्त्र पुलिस बल का सदस्य होना और उस राज्य के बाहर सेवा करना
- ऐसा व्यक्ति होना जो भारत सरकार के अधीन भारत से बाहर किसी पद पर कार्यरत हो।
- सेवा मतदाताओं को उनके मूल स्थान पर नामांकित किया जाता है, भले ही वे वहां स्थायी रूप से निवास नहीं करते हों। सेवा मतदाता अपना वोट या तो डाक मतपत्र के माध्यम से या उसके द्वारा नियुक्त प्रॉक्सी मतदाता के माध्यम से डाल सकते हैं। और एक सेवा मतदाता जो प्रॉक्सी के माध्यम से मतदान करने का विकल्प चुनता है, उसे वर्गीकृत सेवा मतदाता कहा जाता है। अतः विकल्प (d) सही है।

Q 57. निम्नलिखित में से किस विशेषता का उल्लेख लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (आरपीए अधिनियम 1950) में किया गया है?

1. निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन
2. मतदाताओं की योग्यता एवं अयोग्यताएँ
3. लोकसभा और विधानसभाओं में सीटों का आवंटन।
4. चुनाव संबंधी विवाद
5. उपचुनाव

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर का चुनाव कीजिये।

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 1, 3, और 4
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर - (a)

व्याख्या:

- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए), 1950 की विशेषताएं निम्नलिखित हैं:
 - निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के लिए प्रक्रियाएं निर्धारित करता है।
 - लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं और विधान परिषदों में सीटों के आवंटन का प्रावधान करता है।
 - मतदाता सूची तैयार करने और सीटें भरने के तरीके के लिए प्रक्रिया निर्धारित करता है।
 - मतदाताओं की योग्यता निर्धारित करता है।
- चुनावों से संबंधित विवादों का उल्लेख लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए), 1950 में नहीं किया गया है। चुनावों से संबंधित विवादों और उप-चुनावों के प्रावधान का उल्लेख लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (आरपीए अधिनियम 1951) में किया गया है। अतः विकल्प (a) सही है।

Q 58. लोकसभा अध्यक्ष के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

- (a) वह एक बार निर्वाचित होने के पश्चात पुनर्निर्वाचन के लिए पात्र है।
- (b) उसका चुनाव लोकसभा सदस्यों में से किया जाता है और अध्यक्ष के चुनाव की तिथि राष्ट्रपति द्वारा तय की जाती है।
- (c) लोकसभा विघटित होते ही तुरंत प्रभाव से वह अपना पद खाली कर देता है।
- (d) यदि लोकसभा के सभी सदस्यों के प्रभावी बहुमत द्वारा उसके खिलाफ कोई प्रस्ताव पारित किया जाता है, तो उसे अपना पद त्यागना पड़ता है।

उत्तर- (c)

व्याख्या:

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 93 के अनुसार, लोकसभा में एक अध्यक्ष और एक उपाध्यक्ष होता है। लोकसभा में दोनों पीठासीन अधिकारियों यानी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत से सदस्यों में से चुना जाता है।
- अध्यक्ष को लोकसभा के सभी सदस्यों के बहुमत यानी प्रभावी बहुमत द्वारा पारित प्रस्ताव द्वारा पद से हटाया जा सकता है। एक बार निर्वाचित अध्यक्ष पुनः चुनाव के लिए पात्र होता है। अध्यक्ष के चुनाव की तिथि राष्ट्रपति द्वारा तय की जाती है। जब भी लोकसभा विघटित होती है, अध्यक्ष अपना पद खाली नहीं करता है और नवनिर्वाचित लोकसभा की बैठक होने तक पद पर बना रहता है। **अतः विकल्प (c) गलत है।**

Q 59. संसदीय कार्यवाही के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: ★

1. राज्यसभा में लंबित लेकिन लोकसभा द्वारा पारित नहीं किया गया विधेयक लोकसभा के विघटन पर समाप्त हो जाता है।
2. लोकसभा द्वारा पारित लेकिन राज्यसभा में लंबित एक विधेयक लोकसभा के विघटन पर समाप्त हो जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर- (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** राज्यसभा में लंबित लेकिन लोकसभा द्वारा पारित नहीं किया गया विधेयक लोकसभा के विघटन पर समाप्त नहीं होता है।

- **कथन 2 सही है:** लोकसभा द्वारा पारित लेकिन राज्यसभा में लंबित एक विधेयक लोकसभा के विघटन पर समाप्त हो जाता है।

Q 60. 1992 के 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस अधिनियम ने राज्य सरकारों को नई पंचायती राज व्यवस्था अपनाने की संवैधानिक बाध्यता के अंतर्गत ला दिया।
2. अधिनियम में 11वीं अनुसूची जोड़ी गई जिसमें पंचायतों के 29 विषय शामिल हैं।
3. अधिनियम में प्रत्येक पंचायत क्षेत्र में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करना अनिवार्य था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर- (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** 73वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान करता है। इसने राज्य सरकारों को नई पंचायती राज प्रणाली को अपनाने की संवैधानिक बाध्यता के तहत ला दिया है।
- **कथन 2 सही है:** 73वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने भारत के संविधान में एक नया भाग-IX जोड़ा है। इसमें 11वीं अनुसूची भी जोड़ी गई जिसमें पंचायतों के 29 विषय शामिल हैं।
- **कथन 3 गलत है:** संविधान का 73वां संशोधन अधिनियम प्रत्येक पंचायत में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए पंचायत क्षेत्र में उनकी जनसंख्या के अनुपात में सीटों के आरक्षण का प्रावधान करता है। अधिनियम में पंचायती राज संस्थानों और पंचायती राज संस्थानों के सभी स्तरों पर अध्यक्ष पदों में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है।

Q 61. चुनावी बॉन्ड (Electoral Bonds-EBs) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. EBs ब्याज मुक्त वाहक बांड हैं जिन्हें कंपनियों और व्यक्तियों द्वारा खरीदा जा सकता है।
2. किसी व्यक्ति या कंपनी द्वारा खरीदे जाने वाले EBs की संख्या की एक सीमा होती है।
3. EBs के सभी लेनदेन चेक या डिजिटल रूप से किए जाते हैं।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** चुनावी बॉन्ड (Electoral Bonds-EBs) ब्याज मुक्त बॉन्ड या धन उपकरण हैं, जिन्हें भारत में कंपनियों और व्यक्तियों द्वारा भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अधिकृत शाखाओं से खरीदा जा सकता है।
- **कथन 2 गलत है:** किसी व्यक्ति या कंपनी द्वारा खरीदे जाने वाले चुनावी बॉन्ड की संख्या पर कोई सीमा नहीं है।
- **कथन 3 सही है:** ईबी के सभी लेनदेन चेक या डिजिटल रूप से किए जाते हैं।

Q 62. सूचना का अधिकार अधिनियम के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. आरटीआई अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DoPT) है।
2. इसने सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम, 2002 का स्थान ले लिया।

उपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** आरटीआई अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार नोडल एजेंसी कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DoPT) है। योजना का प्राथमिक लक्ष्य अधिक जवाबदेह और पारदर्शी सरकार की दिशा में योगदान करना है।
- **कथन 2 सही है:** सूचना का अधिकार (Right to Information-RTI) ने सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम, 2002 का स्थान ले लिया है।

Q 63. रिटर्निंग अधिकारी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. रिटर्निंग ऑफिसर के कर्तव्यों में नामांकन फॉर्म स्वीकार करना और उनकी जांच करना शामिल है।
2. वह केवल एक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव की देखरेख के लिए जिम्मेदार है।

3. भारत निर्वाचन आयोग राज्य सरकारों के परामर्श से किसी निर्वाचन क्षेत्र में रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति करता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने गलत हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** चुनाव प्रबंधन में रिटर्निंग अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उसे इसलिए तैनात किया जाता है, क्योंकि वह किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव कराता है और निर्वाचित उम्मीदवार को लौटाता है।
- **कथन 2 गलत है:** भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, एक रिटर्निंग अधिकारी किसी निर्वाचन क्षेत्र में या कभी-कभी दो क्षेत्रों में चुनाव की निगरानी के लिए जिम्मेदार होता है।
- **कथन 3 सही है:** भारत निर्वाचन आयोग राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के परामर्श से (जैसा भी मामला हो) किसी निर्वाचन क्षेत्र के लिए रिटर्निंग अधिकारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारी की नियुक्ति करता है।

Q 64. धन विधेयक के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- 1. यदि राज्य सभा धन विधेयक को निर्धारित समय सीमा में वापस नहीं भेजती है तो वह विधेयक राज्य सभा की सहमति के बिना पारित माना जाएगा।
- 2. एक बिल जो लाइसेंस के लिए शुल्क की मांग या भुगतान या प्रदान की गई सेवाओं के लिए शुल्क से संबंधित है, उसे मनी बिल के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर - (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** धन विधेयक को रोके रखने के लिए राज्यसभा के लिए निर्धारित समय अधिकतम 14 दिन है। यदि राज्य सभा निर्धारित समय सीमा में धन विधेयक को वापस नहीं भेजती है तो वह विधेयक राज्य सभा की सहमति के बिना पारित माना जाएगा।

- **कथन 2 गलत है:** भारतीय संविधान का अनुच्छेद 110 के अनुसार किसी विधेयक को धन विधेयक नहीं माना जा सकता है। कोई विधेयक धन विधेयक नहीं है, यदि वह निम्नलिखित बिन्दुओं की पूर्ती करता है -

- जब यह जुर्माना या अन्य आर्थिक दंड लगाने का प्रावधान करता है।
- लाइसेंस के लिए शुल्क, प्रदान की गई सेवाओं के लिए शुल्क की मांग या भुगतान।
- कर का अधिरोपण, उन्मूलन, छूट, परिवर्तन या विनियमन।

Q 65. निम्नलिखित में से कौन सा विधेयक राष्ट्रपति की पूर्व सहमति के बिना संसद में पेश नहीं किया जा सकता है?

1. धन विधेयक
2. संविधान संशोधन विधेयक
3. नए राज्य के गठन से संबंधित विधेयक

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनें।

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर - (c)

व्याख्या:

- धन विधेयक को राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति से केवल लोकसभा में पेश किया जा सकता है। संविधान संशोधन से संबंधित विधेयक या तो एक मंत्री या एक निजी सदस्य द्वारा सदन में पेश किया जा सकता है और इसके लिए राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है। नए राज्य के गठन का विधेयक केवल राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति से ही संसद में पेश किया जा सकता है। अतः विकल्प (c) सही है।

Q 66. संवैधानिक संशोधन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संविधान का भाग XVIII संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति से संबंधित है।
2. संविधान में संशोधन की प्रक्रिया संसद के किसी भी सदन में या किसी राज्य की विधान सभा में भी शुरू किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर- (d)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** संविधान के भाग XX में अनुच्छेद 368 संविधान और इसकी प्रक्रिया में संशोधन करने की संसद की शक्ति से संबंधित है। संविधान का भाग XVIII आपातकालीन प्रावधानों से संबंधित है।
- **कथन 2 गलत है:** संविधान में संशोधन की पहल संसद के किसी भी सदन में की प्रारंभ जा सकती है, लेकिन किसी राज्य विधानसभा में नहीं।

Q 67. स्थगन प्रस्ताव के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह प्रस्ताव केवल लोकसभा में पेश किया जाता है, राज्यसभा में नहीं।
2. इस प्रस्ताव का प्राथमिक उद्देश्य अत्यावश्यक सार्वजनिक महत्व के किसी तात्कालिक मामले की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर - (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** स्थगन प्रस्ताव केवल तत्काल सार्वजनिक महत्व के एक निश्चित मामले पर सदन का ध्यान आकर्षित करने के लिए लोकसभा में पेश किया जाता है। चूंकि इसमें सरकार के खिलाफ निंदा का तत्व शामिल है, इसलिए राज्यसभा को इस उपकरण का उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
- **कथन 2 सही है:** स्थगन प्रस्ताव का प्राथमिक उद्देश्य तत्काल सार्वजनिक महत्व के गंभीर परिणामों वाले मामले पर सदन का ध्यान आकर्षित करना है।

Q 68. निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

संविधान के अनुच्छेद	प्रावधान
1. अनुच्छेद 320	लोक सेवा आयोग के सदस्यों को हटाया जाना
2. अनुच्छेद 338B	राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग

3. अनुच्छेद 350B	भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी
4. अनुच्छेद 371C	मणिपुर राज्य के संबंध में विशेष प्रावधान

उपरोक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर- (b)

व्याख्या:

- **युग्म 1 गलत है:** भारतीय संविधान का अनुच्छेद 320 लोक सेवा आयोग के कार्यों से संबंधित है। अनुच्छेद 317 लोक सेवा आयोग के सदस्यों को हटाने से संबंधित है।
- **युग्म 2 गलत है:** अनुच्छेद 338B राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग से संबंधित है, जबकि अनुच्छेद 338A राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग से संबंधित है।
- **युग्म 3 सही है:** अनुच्छेद 350B भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी से संबंधित है।
- **युग्म 4 सही है:** अनुच्छेद 371C मणिपुर राज्य के संबंध में विशेष प्रावधान से संबंधित है।

Q 69. निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

- (a) राष्ट्रपति चुनाव के लिए एक विधायक के वोट का मूल्य, गोवा के विधायक के लिए सबसे कम है।
- (b) भारतीय संविधान की तीसरी अनुसूची भारत के केंद्रीय मंत्रियों के लिए शपथ और प्रतिज्ञान से संबंधित है।
- (c) चौवालीसवें संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने राष्ट्रीय आपातकाल के संबंध में 'आंतरिक अशांति' शब्द को 'सशस्त्र विद्रोह' से प्रतिस्थापित कर दिया है।
- (d) नोटा प्रणाली राष्ट्रपति चुनाव पर लागू नहीं है।

उत्तर - (a)

व्याख्या:

- राष्ट्रपति चुनाव के लिए किसी विधायक के वोट का मूल्य सिक्किम के विधायक के लिए सबसे कम और उत्तर प्रदेश के विधायक के लिए सबसे अधिक है।
- भारतीय संविधान की तीसरी अनुसूची भारत के केंद्रीय मंत्रियों के लिए शपथ और प्रतिज्ञान से संबंधित है।
- चौवालीसवें संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने राष्ट्रीय आपातकाल के संबंध में 'आंतरिक अशांति' शब्द को 'सशस्त्र विद्रोह' प्रतिस्थापित कर दिया।

- नोटा प्रणाली केवल प्रत्यक्ष चुनावों के लिए लागू है, चूंकि राष्ट्रपति का चुनाव अप्रत्यक्ष चुनाव है इसलिए यह प्रणाली राष्ट्रपति चुनाव पर लागू नहीं होती है। अतः विकल्प (a) सही है।

Q 70. निम्नलिखित में से किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने किसी राज्य में मंत्रिपरिषद के आकार को विधानसभा की प्रभावी क्षमता के 15% से कम तक सीमित कर दिया?

- (a) 61वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम
- (b) 71वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम
- (c) 81वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम
- (d) 91वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम

उत्तर - (d)

व्याख्या:

- 91वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम 2003 के अनुसार, मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या लोकसभा की कुल क्षमता या सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। और इसी तरह राज्य विधान सभा में मंत्रिपरिषद का आकार किसी राज्य में मंत्रियों की संख्या विधानसभा की कुल क्षमता या सदस्य संख्या के 15% से कम तक सीमित है, परन्तु मंत्रियों की संख्या (मुख्यमंत्री सहित) 12 से कम नहीं होनी चाहिए। अतः विकल्प (d) सही है।

Q71. निम्नलिखित में से किसे किसी राज्य के राज्यपाल द्वारा हटाया जा सकता है?

1. राज्य के महाधिवक्ता
2. राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष
3. दलबदल विरोधी कानून के तहत विधायक

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) 1, 2 और 3
- (d) कोई नहीं

उत्तर - (a)

व्याख्या:

- राज्य का महाधिवक्ता राज्यपाल के प्रसाद पर्यन्त तक अपने पद पर बना रहता है। संविधान में राज्य के महाधिवक्ता को हटाने की प्रक्रिया और आधार शामिल नहीं है। राज्यपाल उसे किसी भी समय हटा सकता है। राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी अन्य सदस्य को केवल भारत के राष्ट्रपति के आदेश से ही हटाया जाएगा।

- दसवीं अनुसूची या दलबदल विरोधी कानून के तहत किसी विधायक की अयोग्यता का फैसला करना राज्य विधान सभा के अध्यक्ष की शक्ति है। अतः विकल्प (a) सही है।

Q 72. रिट के निम्नलिखित युग्मों और उनके अनुप्रयोगों पर विचार करें:

रिट के प्रकार	अनुप्रयोग
उत्प्रेषण	किसी विशिष्ट आधिकारिक कार्य या कर्तव्य के पालन का आदेश देने वाली सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी रिट
परमादेश	निचली अदालतों में लंबित मामले को स्थानांतरित करने के लिए उच्च न्यायालय का आदेश
अधिकार पृच्छा	जब किसी व्यक्ति द्वारा किसी सार्वजनिक पद पर अवैध कब्जा किया जाता है तो न्यायालय द्वारा किसी व्यक्ति को आदेश दिया जाता है।

उपरोक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर- (a)

व्याख्या:

- परमादेश एक उच्च न्यायालय द्वारा जारी एक रिट है, जो किसी निर्दिष्ट आधिकारिक कार्य या कर्तव्य के पालन का आदेश देता है। उत्प्रेषण का उपयोग अदालत द्वारा उस मामले को स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है जो निचली अदालतों में लंबित है या किसी मामले में निचली अदालतों द्वारा दिए गए आदेश को निरस्त करने की आवश्यकता है। अधिकार पृच्छा का उपयोग तब किया जाता है जब कोई व्यक्ति किसी सार्वजनिक कार्यालय या पद पर अवैध रूप से आसीन होता है। अतः विकल्प (a) सही है।

Q 73. निम्नलिखित में से किस समिति में संसद के दोनों सदनों के सदस्य शामिल हैं?

- सार्वजनिक उपक्रम समिति
- अनुमान समिति
- लोक लेखा समिति

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए ।

- (a) केवल 3
- (b) केवल 1 और 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर- (b)

व्याख्या:

- लोक लेखा समिति में 22 सदस्य होते हैं, 15 लोकसभा से और 7 राज्यसभा से। सार्वजनिक उपक्रम समिति में 15 सदस्य लोकसभा से और 7 सदस्य राज्यसभा से होते हैं। अनुमान समिति में 30 सदस्य होते हैं, सभी लोकसभा से। **अतः विकल्प (b) सही है।**

Q 74. समापन प्रस्ताव के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसे संसद के दोनों सदनों में पेश किया जा सकता है।
2. यदि प्रस्ताव सदन द्वारा अनुमोदित हो जाता है, तो बहस रोक दी जाती है और मामले को मतदान के लिए रखा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर- (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** सदन के समक्ष किसी मामले पर बहस को कम करने के लिए एक सांसद द्वारा समापन प्रस्ताव पेश किया जाता है। इसे लोकसभा के साथ-साथ राज्यसभा में भी पेश किया जा सकता है।
- **कथन 2 सही है:** यदि समापन प्रस्ताव को सदन द्वारा मंजूरी दे दी जाती है, तो बहस रोक दी जाती है और मामले को मतदान के लिए रखा जाता है।
- समापन प्रस्ताव चार प्रकार के होते हैं:
 - साधारण समापन: यह तब होता है जब कोई सदस्य यह प्रस्ताव रखता है कि 'जिस मामले पर पर्याप्त चर्चा हो चुकी है उसे अब मतदान के लिए रखा जाए।'
 - खंडशः समापन: इस मामले में, किसी विधेयक या लंबे प्रस्ताव के खंडों को बहस शुरू होने से पहले भागों में समूहीकृत किया जाता है। बहस में पूरे हिस्से को शामिल किया जाता है और पूरे हिस्से को मतदान के लिए रखा जाता है।

- कंगारू समापन: इस प्रकार के तहत, केवल महत्वपूर्ण खंडों को बहस और मतदान के लिए लिया जाता है और हस्तक्षेप करने वाले खंडों को छोड़ दिया जाता है और पारित मान लिया जाता है।
- गिलोटिन समापन: यह तब होता है जब समय की कमी के कारण किसी विधेयक या संकल्प के अविवादित खंडों को भी चर्चा के साथ मतदान के लिए रखा जाता है।

Q 75. निम्नलिखित में से कौन अखिल भारतीय सेवाओं के सदस्यों की सेवा शर्तों को निर्धारित करता है?

- (a) संसद
- (b) संघ लोक सेवा आयोग
- (c) राज्य लोक सेवा आयोग
- (d) राज्यसभा

उत्तर- (a)

व्याख्या:

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 312 संसद को अखिल भारतीय सेवाओं में नियुक्त अधिकारियों की भर्ती और सेवा की शर्तों को विनियमित करने की शक्ति प्रदान करता है। अतः विकल्प (a) सही है।
- संविधान में IAS, IPS के रूप में ज्ञात सेवाएँ अनुच्छेद 312 के तहत संसद द्वारा बनाई गयी सेवाएँ मानी जाएँगी।

Q 76. बजट सत्र के दौरान शामिल निम्नलिखित प्रक्रियाओं पर विचार करें:

1. विनियोग विधेयक
2. वित्त विधेयक का पारित होना
3. अनुदान की मांग हेतु मतदान
4. सामान्य चर्चा

उपरोक्त प्रक्रियाओं का सही क्रम निम्नलिखित में से कौन सा है?

- (a) 4, 3, 1, 2
- (b) 1, 2, 3, 4
- (c) 4, 3, 2, 1
- (d) 4, 1, 2, 3

उत्तर- (a)

व्याख्या:

संसद में बजट पारित करने में शामिल प्रक्रियाओं का क्रम निम्नलिखित है-

- बजट की प्रस्तुति
- सामान्य चर्चा
- विभागीय समितियों द्वारा जांच

- अनुदान की मांगों पर मतदान
- विनियोग विधेयक का पारित होना
- वित्त विधेयक का पारित होना
- अतः विकल्प (a) सही है।

Q 77. भारत के लोक लेखा के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत के लोक लेखा से भुगतान के लिए विधायी विनियोग आवश्यक है।
2. यह लेखा सरकार की वित्तीय देनदारी का एक हिस्सा है।
3. भारत के लोक लेखा का उल्लेख अनुच्छेद 266 के अंतर्गत किया गया है

निम्नलिखित में से कितने कथन सही हैं/हैं।

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** भारत के लोक लेखा से भुगतान के लिए विधायी विनियोग की आवश्यकता नहीं है।
- **कथन 2 सही है:** भारत के लोक लेखा में सरकारी कर्मचारियों की भविष्य निधि, स्थानीय निधियों की जमा राशि, बाहरी एजेंसियों द्वारा की गई आरक्षित निधि जमा, विभागीय अग्रिम आदि शामिल हैं। इस खातों में राशि सरकार की कुल वित्तीय देनदारियों का एक हिस्सा है।
- **कथन 3 सही है:** इस निधि का गठन संविधान के अनुच्छेद 266 (2) के तहत किया गया था। यह उन लेनदेन के प्रवाह का लेखा-जोखा रखता है जहां सरकार केवल एक बैंकर के रूप में कार्य कर रही है।

Q 78. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. राज्यपाल को पद की शपथ भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिलाई जाती है।
2. राज्यपाल को केवल सिद्ध कदाचार या अक्षमता के आधार पर ही पद से हटाया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर - (d)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** राज्यपाल को पद की शपथ राज्य उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश दिलाता है। उसकी अनुपस्थिति में, उच्च न्यायालय का सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश राज्यपाल को पद की शपथ दिलाता है।
- **कथन 2 गलत है:** संविधान के अनुच्छेद 155 और 156 के तहत, एक राज्यपाल को राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है और वह “राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त” तक पद पर रहता है। राज्य के राज्यपाल को किस प्रकार पद से हटाया जाना, इसके लिए संविधान में कोई प्रावधान नहीं है।

Q79. “राष्ट्रपति के विचारार्थ किसी विधेयक को आरक्षित करने की राज्यपाल की शक्तियों” के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. यह शक्ति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 201 में दी गई है।
2. यह राज्यपाल की विवेकाधीन शक्ति है।

नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए।

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर- (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** भारतीय संविधान का अनुच्छेद 200 किसी राज्य की विधान सभा द्वारा पारित विधेयक को राज्यपाल के समक्ष सहमति के लिए प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। जिस पर वह या तो सहमति दे सकता है, अनुमति रोक सकता है या राष्ट्रपति विचार के लिए विधेयक को आरक्षित कर सकता है। अनुच्छेद 201 के अनुसार “जब कोई विधेयक राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित होता है, तो राष्ट्रपति विधेयक पर सहमति दे सकते हैं या अनुमति रोक सकते हैं”। राष्ट्रपति राज्यपाल को विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य के विधानमंडल के सदनों या सदनों को वापस करने का निर्देश भी दे सकता है।
- **कथन 2 सही है:** राज्यपाल, जो केंद्र द्वारा नियुक्त किया जाता है राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को विलंबित करने या अस्वीकार करने के लिए अपनी शक्तियों का उपयोग कर सकता है। हालाँकि राज्यपाल अपनी कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग अनुच्छेद 154 के तहत मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही करता है, फिर भी राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को आरक्षित करना राज्यपाल की विवेकाधीन शक्ति के रूप में आता है।

Q 80. राज्यसभा के कार्यों और शक्तियों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह राज्य सूची के किसी विषय को राष्ट्रीय महत्व का विषय घोषित कर सकती है।
2. संवैधानिक संशोधन विधेयकों की दृष्टि से राज्यसभा की शक्तियाँ लोकसभा के समान हैं।
3. राज्यसभा का कार्यकाल छह वर्ष का होता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर - (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** राज्यसभा राज्य सूची के किसी विषय को राष्ट्रीय महत्व का विषय घोषित कर सकती है। अनुच्छेद 249 के अनुसार, यदि राज्यसभा अपने उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के $\frac{2}{3}$ बहुमत से एक प्रस्ताव पारित करती है, तो संसद राज्य सूची की वस्तुओं पर कानून बना सकती है।
- **कथन 2 सही है:** राज्य सभा की शक्तियाँ और स्थिति लोकसभा के बराबर हैं: सामान्य विधेयकों का परिचय और पारित होना, संवैधानिक संशोधन विधेयकों का परिचय और पारित होना के संदर्भ में।
- **कथन 3 गलत है:** राज्यसभा एक स्थायी निकाय है और विघटन के अधीन नहीं है। हालाँकि, एक तिहाई सदस्य हर दूसरे वर्ष सेवानिवृत्त हो जाते हैं, और उनके स्थान पर नव निर्वाचित सदस्य आते हैं। प्रत्येक सदस्य छह वर्ष की अवधि के लिए चुना जाता है।

Q 81. निम्नलिखित में से कौन सी सरकार की संसदीय प्रणाली की विशेषताएँ हैं?

1. बहुमत दल का शासन
2. दोहरी कार्यपालिका
3. सामूहिक जिम्मेदारी
4. शक्तियों का पृथक्करण

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए।

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1, 2 और 3
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर (c)

व्याख्या:

संसदीय प्रणाली की विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- दोहरी कार्यपालिका
 - बहुमत दल का शासन
 - सामूहिक जिम्मेदारी
 - राजनीतिक एकरूपता
 - दोहरी सदस्यता
 - प्रधानमंत्री का नेतृत्व
 - निचले सदन का विघटन
 - शक्तियों का संलयन (कार्यपालिका, विधायिका का हिस्सा है)
 - राष्ट्रपति शासन प्रणाली सरकार के तीन अंगों के बीच शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत पर आधारित है।
- अतः विकल्प (c) सही है।

Q82. राष्ट्रपति और राज्यपालों की अध्यादेश जारी करने की शक्तियों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अनुच्छेद 123 राष्ट्रपति की अध्यादेश जारी करने की शक्तियों से संबंधित है, जबकि राज्यपाल द्वारा अध्यादेश जारी करने की शक्तियों का उल्लेख अनुच्छेद 213 में है।
2. अध्यादेश उसी स्थिति में जारी किये जा सकते हैं, जब संसद के दोनों सदनों का सत्र नहीं चल रहा हो।
3. किसी अध्यादेश की वैधता अधिकतम 1 माह होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर- (a)

व्याख्या :

- **कथन 1 सही है :** भारतीय संविधान के अनुच्छेद 123 में अध्यादेश जारी करने की राष्ट्रपति की शक्तियों के बारे में उल्लेख है। इसी प्रकार, अनुच्छेद 213 में अध्यादेश जारी करने की राज्यपाल की शक्ति के बारे में उल्लेख है।
- **कथन 2 गलत है :** एक अध्यादेश प्रख्यापित किया जा सकता है यदि:
 - संसद का कोई भी सदन सत्र में नहीं है।
 - जब राष्ट्रपति को तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता महसूस होती है।

- इस प्रकार, राष्ट्रपति किसी भी समय अध्यादेश प्रख्यापित कर सकता है, सिवाय उस समय के जब संसद के दोनों सदनों का सत्र चल रहा हो।
- **कथन 3 गलत है:** किसी अध्यादेश की अधिकतम वैधता 6 महीने और 6 सप्ताह है। संसद के दो सत्रों के बीच अधिकतम अंतराल छह महीने से अधिक नहीं

Q 83. भारत के संविधान के अनुच्छेद 150 के अनुसार, संघ और राज्यों के लेखाओं को ऐसे प्रारूप में रखा जाएगा जैसा कि निर्धारित किया गया है:

- (a) नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की सलाह पर संसद
- (b) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की सलाह पर राष्ट्रपति
- (c) संसद की सलाह पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक
- (d) मंत्रिपरिषद् की सलाह पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक

उत्तर- (b)

व्याख्या :

- अनुच्छेद 150 के अनुसार - संघ और राज्यों के लेखाओं को ऐसे प्रारूप में रखा जाएगा जो राष्ट्रपति, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की सलाह पर निर्धारित कर सकते हैं। **अतः विकल्प)) b) सही है।**

Q 84. भारत के उपराष्ट्रपति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत के उपराष्ट्रपति 65 वर्ष की आयु तक पद पर बने रहता है।
2. भारत गणराज्य की वरीयता क्रम की सूची में वह भारत के राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर- (d)

व्याख्या :

- **कथन 1 गलत है :** उपराष्ट्रपति अपने पद ग्रहण करने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करता है। भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए संविधान में 65 वर्ष की कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं है।
- **कथन 2 गलत है :** भारत गणराज्य की वरीयता क्रम की सूची में, वह भारत के राष्ट्रपति के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

Q 85. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. **कथन I:** इसका उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के हितों की देखरेख करना है।
2. **कथन II:** किसी भी शिकायत की जांच करते समय इसके पास सिविल कोर्ट की सभी शक्तियां होती हैं।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है
- (c) कथन-I सही है किन्तु कथन-II गलत है
- (d) कथन-I गलत है किन्तु कथन-II सही है

उत्तर: (d)

व्याख्या :

- **कथन I गलत है:** संविधान के अनुच्छेद 338 B में प्रावधान है कि सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए एक आयोग होगा जिसे राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के रूप में जाना जाएगा।
- राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग में एक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और तीन अन्य सदस्य होते हैं। जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर और मुहर के तहत वारंट द्वारा की जाती है।
- इसके अलावा, इस प्रकार नियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अन्य सदस्यों की सेवा की शर्तें और कार्यकाल ऐसे होंगे जैसा कि राष्ट्रपति नियम द्वारा निर्धारित कर सकते हैं।
- **कथन II सही है:** आयोग के पास किसी भी मामले की जांच करते समय या किसी शिकायत की जांच करते समय, एक सिविल अदालत की सभी शक्तियां होंगी।

Q 86. नागरिक चार्टर के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही नहीं है?

- (a) इसमें संगठन का विज़न और मिशन विवरण शामिल है।
- (b) यह कानूनी रूप से लागू करने योग्य है और इसलिए न्यायसंगत है।
- (c) यह नागरिकों की जिम्मेदारियों को निर्धारित करता है।
- (d) इसमें सेवा वितरण के मानक शामिल हैं।

उत्तर: (b)

व्याख्या :

- नागरिक चार्टर एक सरकारी संगठन द्वारा नागरिकों/ग्राहक समूहों को प्रदान की जा रही या प्रदान की जाने वाली सेवाओं/योजनाओं के संबंध में की गई प्रतिबद्धताओं का एक दस्तावेज है। इसमें संगठन का विज़न और मिशन वक्तव्य शामिल है।
- नागरिक चार्टर को चार्टर के संदर्भ में नागरिकों की जिम्मेदारियां भी निर्धारित करनी चाहिए।
- नागरिक चार्टर का उद्देश्य नागरिकों को सशक्त बनाना है ताकि वे सेवा के प्रतिबद्ध मानकों की मांग कर सकें और सेवा प्रदाता संगठनों/विभाग द्वारा अनुपालन न करने की स्थिति में उपचार का लाभ उठा सकें।

- नागरिक चार्टर कानूनी रूप से लागू करने योग्य नहीं है और इसलिए ,गैर-न्यायसंगत है। हालाँकि यह, संगठन और उसके ग्राहकों की प्रतिबद्धताओं के साथ निर्दिष्ट मानकों ,गुणवत्ता और समय सीमा आदि के साथ नागरिकों को सेवाओं की डिलीवरी की सुविधा प्रदान करने का एक उपकरण है। अतः विकल्प (b) गलत है।

Q 87. समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. इसका उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 45 के तहत किया गया है।
2. यह गांधीवादी सिद्धांतों पर आधारित है।

नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए।

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर- (d)

व्याख्या :

- **कथन 1 गलत है :**राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों) DPSP) का उल्लेख संविधान के भाग 4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक किया गया है। अनुच्छेद 44 समान नागरिक संहिता से संबंधित है, जबकि अनुच्छेद 45 सभी बच्चों की प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा से संबंधित है।
- **कथन 2 गलत है :**समान नागरिक संहिता) यूसीसी (गांधीवादी सिद्धांतों का हिस्सा नहीं है। समान नागरिक संहिता उदारवाद की विचारधारा को दर्शाता है।

Q 88. निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए :

1. एक सेवा से दूसरी सेवा में पदोन्नति या स्थानांतरण के लिए उम्मीदवारों की उपयुक्तता से संबंधित मामले।
2. नागरिकों के किसी पिछड़े वर्ग के पक्ष में नियुक्तियों या पदों का आरक्षण करते समय।
3. सिविल क्षमता में भारत सरकार के अधीन सेवारत व्यक्ति को प्रभावित करने वाले अनुशासनात्मक मामले।

उपरोक्त में से किस/किन मामले/मामलो पर सरकार द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) से परामर्श लिया जाता है?

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2
- (c) 1, 2 और 3

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या :

- कार्मिक प्रबंधन से संबंधित निम्नलिखित मामलों पर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) से परामर्श किया जाता है:
 - सिविल सेवाओं और सिविल पदों पर भर्ती के तरीकों से संबंधित सभी मामले।
- **कथन 1 सही है :**सिविल सेवाओं और पदों पर नियुक्तियाँ करने और एक सेवा से दूसरी सेवा में पदोन्नति और स्थानांतरण करने में पालन किए जाने वाले सिद्धांत। सिविल सेवाओं और पदों पर नियुक्तियों के लिए उम्मीदवारों की उपयुक्तता ; एक सेवा से दूसरी सेवा में पदोन्नति और स्थानांतरण के लिए ; और स्थानांतरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा नियुक्तियाँ। संबंधित विभाग पदोन्नति के लिए सिफारिशें करते हैं और यूपीएससी से उन्हें अनुमोदित करने का अनुरोध करते हैं।
- **कथन 3 सही है :**सिविल क्षमता में भारत सरकार के अधीन सेवारत व्यक्ति को प्रभावित करने वाले सभी अनुशासनात्मक मामले।
- निम्नलिखित मामलों पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श नहीं किया जाता है:
 - **कथन 2 गलत है :** नागरिकों के किसी पिछड़े वर्ग के पक्ष में नियुक्तियों या पदों का आरक्षण करते समय।
 - सेवाओं और पदों पर नियुक्तियाँ करते समय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के दावों को ध्यान में रखते हुए।
 - आयोगों या न्यायाधिकरणों की अध्यक्षता या सदस्यता, उच्चतम राजनयिक प्रकृति के पदों और समूह सी और समूह डी सेवाओं के लिए चयन के संबंध में।

Q 89. छाया मंत्रिमंडल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसका गठन विपक्षी दल द्वारा सत्तारूढ़ मंत्रिमंडल को संतुलित करने के लिए किया जाता है।
2. छाया मंत्रिमंडल के सदस्यों के पास कोई कार्यकारी शक्ति नहीं होती।
3. यह भारतीय संसदीय प्रणाली की महत्वपूर्ण विशेषता है।
4. इसकी उत्पत्ति ब्रिटिश कैबिनेट प्रणाली में हुई है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर (c)

व्याख्या :

- **कथन 1 सही है :**सरकार की वेस्टमिंस्टर प्रणाली में छाया मंत्रिमंडल या कैबिनेट शामिल है। इसमें विपक्षी प्रवक्ताओं की एक वरिष्ठ टीम शामिल है। वे विपक्ष के नेता के निर्देशन में ,सरकारों के लिए एक विपक्षी मंत्रिमंडल बनाते हैं और जिसके सदस्य व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक मंत्रिमंडल सदस्य की स्थिति को छाया या प्रतिबिंबित करते हैं।
- **कथन 2 सही है:** छाया मंत्रिमंडल के सदस्यों के पास कोई कार्यकारी शक्ति नहीं होती है। इनका मुख्य दायित्व सरकार की नीतियों एवं कार्यों की जांच करना है।
- **कथन 3 गलत है :**छाया मंत्रिमंडल भारतीय संसदीय प्रणाली की एक महत्वपूर्ण विशेषता नहीं है। भारत में ऐसी कोई संस्था नहीं है ।
- **कथन 4 सही है :**यह ब्रिटिश कैबिनेट प्रणाली में उत्पन्न होने वाली एक अनूठी संस्था है।
- छाया मंत्रिमंडल सरकार में मंत्रिमंडल को प्रतिबिंबित करने के लिए विपक्ष के नेता द्वारा चुने गए वरिष्ठ प्रवक्ताओं की टीम है।

Q 90. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (NCSC) के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए :

1. यह एक वैधानिक निकाय है।
2. यह अनुसूचित जाति (एससी) के अधिकारों और सुरक्षा उपायों से वंचित होने के संबंध में विशिष्ट शिकायतों की जांच करता है।
3. यह अनुसूचित जाति के लिए संवैधानिक और अन्य कानूनी सुरक्षा उपायों से संबंधित सभी मामलों की जांच और निगरानी करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है :**संविधान के अनुच्छेद 338 में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की स्थापना का प्रावधान है । यह एक संवैधानिक निकाय है।
- **आयोग के कार्य:**
- **कथन 3 सही है:** अनुसूचित जाति के लिए संवैधानिक और अन्य कानूनी सुरक्षा उपायों से संबंधित सभी मामलों की जांच और निगरानी करना और उनके कामकाज का मूल्यांकन करना।

- **कथन 2 सही है:** अनुसूचित जाति के अधिकारों और सुरक्षा उपायों से वंचित होने के संबंध में विशिष्ट शिकायतों की जांच करना।
- अनुसूचित जाति के सामाजिक-आर्थिक विकास की योजना प्रक्रिया में भाग लेना और सलाह देना और संघ या राज्य के तहत उनके विकास की प्रगति का मूल्यांकन करना;
- राष्ट्रपति को वार्षिक रूप से और ऐसे अन्य समय पर जब वह उचित समझे ,उन सुरक्षा उपायों के कामकाज पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Q 91. निम्नलिखित में से कौन-कौन राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त तक पद पर बने रहते हैं?

1. राज्यपाल
2. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
3. भारत के महान्यायवादी
4. राज्य चुनाव आयुक्त

नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर- (b)

व्याख्या :

- भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद (1)76 के तहत केंद्रीय मंत्रिमंडल के अनुरोध पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और वह राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त तक पद पर बने रहते हैं। किसी राज्य का राज्यपाल भी राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त तक पद पर बना रहता है।
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) CAG (को राष्ट्रपति द्वारा उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के समान आधारों पर और उसी तरीके से हटाया जा सकता है। वह राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त तक अपने पद पर नहीं रहता है। इसी प्रकार ,राज्य चुनाव आयुक्त को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के लिए निर्दिष्ट आधारों और तरीके के अलावा पद से नहीं हटाया जा सकता है। **अतः विकल्प (b) सही है।**

Q 92. 'सीबीआई को सामान्य सहमति' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. यह संबंधित राज्य में केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने के लिए सीबीआई को प्रदान की जाती है।
2. गृह मंत्रालय सहमति देने के लिए नोडल प्राधिकारी है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है** :सीबीआई, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम द्वारा शासित है जो उस राज्य में जांच करने के लिए राज्य सरकार की सहमति को अनिवार्य बनाता है। “सामान्य सहमति” आम तौर पर संबंधित राज्य में “केंद्र सरकार के कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार” के मामलों में सीबीआई को निर्बाध रूप से जांच करने में मदद करने के लिए दी जाती है।
- **कथन 2 गलत है** :दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम 1946 ,राज्यों को सहमति देने या वापस लेने की शक्ति प्रदान करता है।
- हाल ही में ,आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल सरकारों ने अपने-अपने राज्यों में मामलों की जांच के लिए सीबीआई से “सामान्य सहमति” वापस ले ली। इसका मतलब है कि केस-विशिष्ट सहमति प्राप्त किए बिना सीबीआई इन दोनों राज्यों में तैनात किसी केंद्र सरकार के अधिकारी या किसी निजी व्यक्ति से जुड़ा कोई भी नया मामला दर्ज नहीं कर सकेगी।

Q 93. राष्ट्रपति की परिलब्धियों के भुगतान के संबंध में निम्नलिखित में से कितने कथन गलत/गलत हैं?

1. वित्तीय आपातकाल के दौरान परिलब्धियाँ कम की जा सकती हैं।
2. परिलब्धियों के लिए किसी संसद की मंजूरी की आवश्यकता नहीं है।
3. परिलब्धियाँ भारत की आकस्मिकता निधि पर भारित होती हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए।

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर- (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है :** वित्तीय आपातकाल के दौरान ,राज्यों के सभी धन विधेयक और बजट राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित होते हैं ।महत्वपूर्ण पदाधिकारियों (राष्ट्रपति ,उपराष्ट्रपति ,कैंग आदि) के वेतनमान कम हो सकते हैं ।
- **कथन 2 सही है :** राष्ट्रपति और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की परिलब्धियों के लिए संसद की मंजूरी की आवश्यकता नहीं होती है और इस प्रकार उन्हें बजट में अलग से दिखाया जाता है।
- **कथन 3 गलत है :** राष्ट्रपति की परिलब्धियाँ भारत की संचित निधि पर भारित होती हैं ,आकस्मिक निधि पर नहीं।

Q 94. निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए :

1. लोकपाल अध्यक्ष को भारत के मुख्य न्यायाधीश के समान वेतन और भत्ते मिलते हैं।
2. लोकपाल का प्रशासनिक व्यय भारत की संचित निधि पर भारित होता है।

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के अनुसार, लोकपाल के अध्यक्ष को भारत के मुख्य न्यायाधीश के समान वेतन और भत्ते मिलते हैं। लोकपाल के सदस्यों को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के समान वेतन और भत्ते मिलते हैं।
- **कथन 2 सही है :** लोकपाल के प्रशासनिक खर्च ,जिसमें अध्यक्ष ,सदस्यों या सचिव या लोकपाल के अन्य अधिकारियों या कर्मचारियों के सभी वेतन ,भत्ते और पेंशन शामिल हैं ,और किसी भी शुल्क या अन्य खर्च भारत की संचित निधि पर भारित होते हैं ।

Q 95. भारतीय संविधान में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार, यदि राष्ट्रपति की पद पर रहते हुए मृत्यु हो जाती है, तो उपराष्ट्रपति अधिकतम ____ अवधि तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर सकता है।

- (a) पांच साल
- (b) एक वर्ष
- (c) तीन महीने
- (d) छह महीने

उत्तर- (d)

व्याख्या :

- जब राष्ट्रपति की पद पर मृत्यु हो जाती है और उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालता है, वह अधिकतम 6 महीने तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करना जारी रख सकता है। 6 महीने के अंतर्गत नया राष्ट्रपति चुना जाएगा। अतः विकल्प d) सही है।

Q 96. राजभाषा आयोग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

- कथन I: यह राजभाषा अधिनियम, 1963 के प्रावधानों के तहत गठित एक वैधानिक निकाय है।
- कथन II: आयोग संघ के आधिकारिक उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी भाषा के उपयोग पर प्रतिबंध से संबंधित राष्ट्रपति को सिफारिशें कर सकता है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या है
- कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है
- कथन-I सही है किन्तु कथन-II गलत है
- कथन-I गलत है किन्तु कथन-II सही है

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- कथन I गलत है :** राजभाषा अधिनियम 1963, उन भाषाओं का प्रावधान करता है जिनका उपयोग संघ के आधिकारिक उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। हालाँकि, यह एक वैधानिक निकाय के रूप में राजभाषा आयोग का गठन नहीं करता है। राजभाषा आयोग की स्थापना भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 344-के प्रावधानों के तहत की गई थी।
- कथन II सही है :** आयोग वास्तव में संघ के आधिकारिक उद्देश्यों के लिए हिंदी भाषा के प्रगतिशील उपयोग और ऐसे उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी के उपयोग पर प्रतिबंध से संबंधित राष्ट्रपति को सिफारिशें कर सकता है।

Q 97. आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार करें:

- चुनाव आयोग की पूर्वानुमति के बिना किसी चुनाव अधिकारी का स्थानांतरण किया जा सकता है।
- प्रधानमंत्री द्वारा आधिकारिक दौरे को चुनाव प्रचार कार्य के साथ जोड़ने की अनुमति है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं ?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को धार्मिक रूप से पालन करने के लिए भारत के चुनाव आयोग द्वारा जारी दिशानिर्देशों का एक समूह है।
- **कथन 1 गलत है** :आदर्श आचार संहिता चुनाव के संचालन से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी अधिकारियों/कर्मचारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाता है। यदि किसी अधिकारी का स्थानांतरण या पदस्थापन आवश्यक समझा जाए तो आयोग की पूर्वानुमति प्राप्त की जाएगी।
- **कथन 2 सही है**: मंत्री अपने आधिकारिक दौरे को चुनाव प्रचार कार्य के साथ नहीं जोड़ेंगे और चुनाव प्रचार कार्य के दौरान आधिकारिक मशीनरी या कर्मियों का उपयोग भी नहीं करेंगे, हालांकि, आयोग ने प्रधानमंत्री को आदर्श आचार संहिता प्रावधान के संचालन से छूट दी है आधिकारिक यात्रा को चुनावी यात्रा के साथ जोड़ने के संबंध में।

Q 98. राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा वितरण मूल्यांकन (NeSDA) ढांचे के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. **कथन I**: यह नागरिक के दृष्टिकोण से ई-गवर्नेंस सेवा वितरण तंत्र की गुणवत्ता पर जोर देता है।
2. **कथन II**: यह ढांचा अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में G2B (विशेष रूप से छोटे व्यवसायों के लिए) और G2C सेगमेंट के तहत सेवाओं को शामिल करता है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से सही है/हैं ?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है
- (c) कथन-I सही है किन्तु कथन-II गलत है
- (d) कथन-I गलत है किन्तु कथन-II सही है

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन I सही है** :राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा वितरण मूल्यांकन (NeSDA) ढांचे की अवधारणा और प्रारंभ अगस्त 2018में किया गया था। मूल्यांकन ढांचा नागरिकों के दृष्टिकोण से ई-गवर्नेंस सेवा वितरण तंत्र की प्रभावशीलता/गुणवत्ता पर जोर देता है।
- **कथन II गलत है** :NeSDA ढांचे ने मुख्य रूप से 7 प्रमुख मापदंडों पर सभी सेवा पोर्टलों (राज्य/केंद्र शासित प्रदेश और केंद्रीय मंत्रालय सेवा पोर्टल) का मूल्यांकन किया। पहुंच, सामग्री उपलब्धता, उपयोग में आसानी, सूचना सुरक्षा और गोपनीयता, अंतिम सेवा वितरण, एकीकृत सेवा वितरण और स्थिति और अनुरोध ट्रैकिंग। रूपरेखा में छह क्षेत्रों को शामिल किया गया है, अर्थात वित्त, श्रम और रोजगार, शिक्षा, स्थानीय

सरकार और उपयोगिताएँ, सामाजिक कल्याण (कृषि और स्वास्थ्य सहित) और पर्यावरण (अग्नि सहित) क्षेत्र। यह ढांचा इन छह क्षेत्रों में G2B (विशेष रूप से छोटे व्यवसायों के लिए) और G2C सेगमेंट के तहत सेवाओं को कवर करता है।

Q 99. निम्नलिखित में से कौन से कार्यालय नीति आयोग से जुड़े हुए हैं ?

1. विकास निगरानी एवं मूल्यांकन कार्यालय।
2. आईपीआर प्रमोशन मैनेजमेंट सेल (CIPAM) और
3. राष्ट्रीय श्रम अर्थशास्त्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनें।

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या :

- नीति आयोग का गठन 1 जनवरी 2015 को किया गया था। इसने पूर्ववर्ती योजना आयोग का स्थान लिया है। यह गैर-संवैधानिक, गैर-वैधानिक निकाय है। इसे सरकार के एक कार्यकारी संकल्प द्वारा बनाया गया है। यह भारत सरकार का प्रमुख नीति 'थिंक टैंक' है, जो दिशात्मक और नीतिगत इनपुट दोनों प्रदान करता है।
- नीति आयोग से जुड़े कार्यालय:
- **कथन 1 सही है : विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय :** नीति आयोग को सौंपे गए मूल्यांकन और निगरानी कार्यों के अधिदेश को पूरा करने के लिए।
- **कथन 2 सही है : राष्ट्रीय श्रम अर्थशास्त्र अनुसंधान और विकास संस्थान (NILERD):** यह मानव पूंजी योजना, मानव संसाधन विकास, निगरानी और मूल्यांकन के सभी पहलुओं में अनुसंधान, डेटा संग्रह और शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल है।
- **कथन 3 सही है : आईपीआर संवर्धन और प्रबंधन सेल (CIPAM):** यह एक पेशेवर निकाय है जो आईपीआर से संबंधित मुद्दों पर केंद्रित कार्रवाई सुनिश्चित करता है और राष्ट्रीय आईपीआर नीति 2016, के 7 पहचाने गए उद्देश्यों को संबोधित करता है। यह सरलीकरण और सुव्यवस्थित करने में सहायता करता है। आईपीआर जागरूकता, व्यावसायीकरण और प्रवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाने के अलावा आईपी प्रक्रियाएं। यह वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग) DPIIT (के तत्वावधान में है।

Q 100. सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत निम्नलिखित में से किस संस्थान/निकाय को 'सार्वजनिक प्राधिकरण' माना जाता है?

1. भारत के मुख्य न्यायाधीश का कार्यालय
2. महान्यायवादी का कार्यालय
3. बिना सहायता प्राप्त धार्मिक ट्रस्ट
4. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG)

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनें।

- (a) केवल 3 और 4
- (b) केवल 1 और 4
- (c) केवल 1, 2 और 4
- (d) केवल 1 और 2

उत्तर: (b)

व्याख्या :

- **कथन 1 सही है :** सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) का कार्यालय सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम 2005 के तहत एक सार्वजनिक प्राधिकरण है।
- **कथन 2 गलत है :** दिल्ली उच्च न्यायालय ने माना है कि भारत के अटॉर्नी जनरल (एजीआई) का कार्यालय आरटीआई अधिनियम के तहत "सार्वजनिक प्राधिकरण" की परिभाषा में शामिल नहीं है।
- **कथन 3 गलत है :** हैदराबाद उच्च न्यायालय ने माना है कि मंदिर, चर्च और मस्जिद जैसे धार्मिक संस्थान जो सरकार द्वारा वित्त पोषित नहीं हैं, सूचना का अधिकार अधिनियम 2005-आरटीआई 89 के दायरे में नहीं आते हैं।
- **कथन 4 सही है :** भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) (भारत के संविधान के तहत एक स्वतंत्र प्राधिकरण है और इसे आरटीआई अधिनियम के तहत एक सार्वजनिक प्राधिकरण माना जाता है।



KHAN SIR

